जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:302 दिनांक:13-10-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

NCP (अजित पवार) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या हो गई है. बाबा सिद्दीकी पर गोली चलाई गई. जिसमें उनके पेट में दो गोलियां लगीं. जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई.

भारत और बांग्लादेश के बीच आज (12 अक्टूबर) टी20 सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच खेला गया. भारत ने बांग्लादेश को 133 रन से हराकर यह मैच जीता। इसके साथ ही भारत ने इस सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है.

मुंबई में NCP नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या

मुंबई, 12 अक्टूबर

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड: एनसीपी (अजित पवार) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई है। बाबा सिद्दीकी पर गोली चलाई गई. जिसमें उनके पेट में दो गोलियां लगीं. जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में तुरंत लीलावती अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. बता दें कि सिद्दीकी का बेटा जीशान सिद्दीकी के ऑफिस गया था. इसी दौरान बांद्रा खेरवाड़ी सिग्नल के पास उन पर अचानक फायरिंग कर दी गई. इससे पहले गोली लगने के बाद उन्हें बेहद गंभीर हालत में लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि बाबा सिद्दीकी को उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर बांद्रा खेरवाड़ी सिग्नल के पास गोली मारी गई थी।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। इससे पहले गोली लगने के बाद उन्हें बेहद गंभीर हालत में लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि बाबा सिद्दीकी को उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर बांद्रा खेरवाड़ी सिग्नल के पास गोली मारी गई थी। इस वारदात के बाद बेहद गंभीर हालत में बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

जानकारी के मुताबिक, इस वारदात के दौरान बाबा सिद्दीकी के पेट में दो गोलियां और एक गोली सीने में लगी थी। उनपर कुल तीन गोलियां चलाई गईं थी। वहीं इस मामले में मुंबई पुलिस ने दो लोगों को मौके से गिरफ्तार भी किया है। इस वारदात के बाद मुंबई पुलिस ने आसपास के इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है और सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है।

बाबा सिद्दीकी मुंबई में अल्पसंख्यक वर्ग के बड़े नेताओं में शुमार थे। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने महाराष्ट्र कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि बाद में वे अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में शामिल हो गए थे। बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी भी राजनीति में सक्रिय हैं। बाबा सिद्दीकी बांद्रा पश्चिम सीट से 1999, 2004 और 2009 में तीन बार विधायक रह थे और महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार में मंत्री भी रहे। बाबा सिद्दीकी महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलेपमेंट अथॉरिटी के मुंबई डिवीजन का अध्यक्ष पद भी संभाल चुके थे। 2014 के विधानसभा चुनाव में बाबा सिद्दीकी को भाजपा नेता आशीष शेलार ने हराया था।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा, अगर हमारे शहर मुंबई में पूर्व विधायक सुरक्षित नहीं हैं, अगर सरकार के नेता सुरक्षित नहीं हैं, तो यह सरकार आम लोगों की सुरक्षा कैसे करेगी? अगर वे अपने विधायकों और पूर्व मंत्रियों को सुरक्षित नहीं रख सकते हैं, तो गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्हें गृह मंत्री के रूप में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। एकनाथ शिंदे को राज्य के सीएम के रूप में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मुंबई की सड़कों पर दिनदहाड़े गोलीबारी हो रही है। तीन राउंड फायरिंग की जा रही है और लोगों को गोली मारी जा रही है... क्या यही कानून व्यवस्था है?...अपराधियों को कोई डर नहीं है... महायुति और भाजपा की नीतियों ने राजनीति को बदनाम कर दिया है। बाबा सिद्दीकी का पूरा नाम जियाउद्दीन सिद्दीकी था। वह 1977 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए थे। 1980 में बांद्रा युवा कांग्रेस के बांद्रा तालुका के महासचिव बने। 1988 में वह मुंबई युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बने। इसके चार साल बाद मुंबई नगर निगम में नगर पार्षद चुने गए। इसके बाद 1999 में बांद्रा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने।

हरिद्वार: जेल में चल रही थी रामलीला, माता सीता की तलाश में गए बंदर बने 2 कैदी नहीं लौटे वापस

हरिद्वार, 12 अक्टूबर

हरिद्वार में कैदियों के भागने का मामला: हरिद्वार की रोशनबाद जेल से दो कैदियों के भागने का मामला सामने आया है। खबर है कि वहां एक रामलीला का आयोजन किया गया था. जेल के कैदियों ने रामलीला में विभिन्न पात्रों की भूमिका निभाई। इसी बीच बंदर बने दो कैदी मौका पाकर जेल की चहारदीवारी फांदकर भाग निकले। एक रिपोर्ट के मुताबिक, घटना 11 अक्टूबर शुक्रवार की है. हर साल की तरह इस बार भी जेल में रामलीला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में जेल व्यवस्था के सभी कर्मचारी कार्यरत थे। इस बीच जेल में हाई सिक्योरिटी बैरक का निर्माण भी चल रहा था. शुक्रवार की रात दोनों कैदी सीता माता को ढूंढने के बहाने दीवार फांदकर भाग निकले।

भागे हुए कैदियों की पहचान रूडकी निवासी पंकज और उत्तर प्रदेश के गोंडा निवासी रामकुमार के रूप में हुई है। पंकज हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। रामकुमार अपहरण के एक मामले में जेल में था. दोनों कैदियों के भागने के बाद जेल व्यवस्था और जिला व्यवस्था अलर्ट हो गयी है. पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है.

जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रात में कार्यक्रम खत्म होने के बाद कैदियों को बैरक के अंदर भेज दिया गया. इसी बीच गिनती में दो कैदी कम निकले। इसके बाद पूरे जेल की तलाशी ली गयी. जेल के सीसीटीवी फुटेज भी देखे गए लेकिन कैदियों का कोई पता नहीं चला. इसके बाद एक कैदी ने पुलिस को बताया कि दोनों सीढ़ी पर चढ़ गए और जेल से बाहर चले गए। एक अन्य कैदी ने बताया कि दोनों पिछले कई दिनों से भागने की योजना बना रहे थे।

हाल ही में खबर आई थी कि उत्तराखंड में कोरोना के दौरान पैरोल पर रिहा हुए कई कैदी फरार हो गए हैं. कोविड-19 के दौरान सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बनी कमेटी ने कई कैदियों को पैरोल दी थी. अब कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा टल गया है, लेकिन पैरोल पर रिहा हुए कैदी वापस नहीं आए। अब इस मामले में जेल तंत्र की नींद उड़ गई है और उन्होंने सभी जिलों के एसएसपी को इसकी सूचना भेज दी है.

राजनाथ सिंह ने BRO की 75 परियोजनाओं का किया उद्घाटन, 11 राज्यों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 2,236 करोड़ रुपये की लागत वाली सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 75 बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को राष्ट्र को वर्चुअली माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में समर्पित किया। इन परियोजनाओं में 22 सड़कें, 51 पुल और दो अन्य शामिल हैं। ये 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं।

इन परियोजनाओं में 19 परियोजनाएं जम्मू और कश्मीर, 18 अरुणाचल प्रदेश, 11 लद्दाख, नौ उत्तराखंड, छह सिक्किम, पांच हिमाचल प्रदेश, दो-दो बंगाल और राजस्थान तथा एक-एक परियोजनाएं नगालैंड, मिजोरम तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जुड़ी हैं। रक्षा मंत्री ने बंगाल के सुकना में त्रिशक्ति कोर के मुख्यालय से परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

इनमें मुख्य आकर्षण में एक सिक्किम में कुपुप-शेरथांग रोड का उद्घाटन भी रहा। यह जवाहर लाल नेहरू मार्ग और ताल्लुक मार्ग के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क के रूप में कार्य करेगी। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने इन परियोजनाओं को सीमावर्ती बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और इन क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक प्रगति सुनिश्चित करने के सरकार के अटूट संकल्प का प्रमाण बताया।

उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं देश की रक्षा तैयारियों को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को ऐसी बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं के माध्यम से ही साकार किया जा सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को 2236 करोड़ रुपये की लागत वाली सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की 75 बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को राष्ट्र को वर्चुअली माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में समर्पित किया। इन परियोजनाओं में 22 सड़कें 51 पुल और दो अन्य शामिल हैं। ये 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फैली हुई हैं। रक्षा मंत्री ने बंगाल के सुकना में त्रिशक्ति कोर के मुख्यालय से परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

इन 75 परियोजनाओं के उद्घाटन के साथ बीआरओ ने 2024 में 3,751 करोड़ रुपये की कुल लागत से कुल 111 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी की हैं। पिछले साल, बीआरओ की ओर से 3,611 करोड़ रुपये की लागत की 125 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गई थीं। वहीं बता दें इसके अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर पश्चिम बंगाल में सेना की एककोर के मुख्यालय में शस्त्र पूजा की।

तिरुपति के भक्तों पर नहीं दिखा प्रसाद विवाद का असर, आठ दिन में बिके 30 लाख लड्डू

तिरुपति: तिरुमला की पहाड़ियों पर स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के वार्षिक ब्रह्मोत्सव के शुरुआती आठ दिनों में 30 लाख लड्डुओं की बिक्री हुई है। नौ दिवसीय वार्षिक ब्रह्मोत्सव शनिवार को संपन्न हो गया। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम (टीटीडी) ने बताया कि शुरुआती आठ दिनों में करीब 15 लाख श्रद्धालुओं ने तिरुपति मंदिर में दर्शन किए। इनमें से 3.50 लाख श्रद्धालु गरुड़ सेवा के दिन शामिल हुए।

टीटीडी अधिकारी ने बताया कि इस साल ब्रह्मोत्सव के शुरुआती आठ दिनों में 50 रुपये प्रति लड्डू की कीमत वाले प्रसाद के तीस लाख छोटे लड्डू बेचे गए। पिछले साल भी इतने ही लड्डुओं की बिक्री हुई थी। दुनिया के सबसे धनी हिंदू मंदिर के संरक्षक टीटीडी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साल हुंडी संग्रह 26 करोड़ रुपये रहा जोकि पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में दो करोड़ रुपये अधिक है।

इस साल 26 लाख से अधिक श्रद्धालुओं को अन्नप्रसाद परोसा गया जबकि पिछले सला ब्रह्मोत्सव के दौरान 16 लाख श्रद्धालुओं को अन्न प्रसाद परोसा गया था। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य सरकार की ओर से ब्रह्मोत्सव के पहले दिन यानी चार अक्टूबर को श्रीवारी मंदिर को रेशमी वस्त्र भेंट किए। तिरुमला की पहाड़ियों पर स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के वार्षिक ब्रह्मोत्सव के शुरुआती आठ दिनों में 30 लाख लड्डुओं की बिक्री हुई है। नौ दिवसीय वार्षिक ब्रह्मोत्सव शनिवार को संपन्न हो गया। तिरुपति तिरुमला देवस्थानम (टीटीडी) ने बताया कि शुरुआती आठ दिनों में करीब 15 लाख श्रद्धालुओं ने तिरुपति मंदिर में दर्शन किए। इनमें से 3.50 लाख श्रद्धालु गरुड़ सेवा के दिन शामिल हुए।

इससे पहले एक रिपोर्ट में सामने आया था, तिरुपति मंदिर में लड्डू की बिक्री पहले की तरह जारी है। मंदिर में रोजाना औसतन 3.50 लाख लड्डू की बिक्री होती है। बताया जा रहा था चार दिन में 14 लाख से अधिक लड्डू बिक चुके हैं।

हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें... ढाका में पूजा मंडप पर हमले के बाद भारत ने बांग्लादेश को चेतावनी दी

ढाका, 12 अक्टूबर

भारत ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पूजा मंडप पर हमले और बांग्लादेश के सतखिरा में जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और इसे जघन्य कृत्य बताया है। भारत ने बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उसके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की चेतावनी दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने एक बयान में कहा, ''हम ढाका के तांती बाजार में पूजा मंडप पर हमले और सतखिरा में प्रतिष्ठित जेशोरेश्वरी काली मंदिर में चोरी की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। ये घटनाएँ एक निश्चित पैटर्न का अनुसरण करती हैं। इसलिए बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं, अल्पसंख्यकों और पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

जयसवाल ने कहा, 'ये निंदनीय घटनाएं हैं. वे मंदिरों और देवताओं को अपवित्र करने और नुकसान पहुंचाने का एक निश्चित पैटर्न अपनाते हैं, जिसे हम पिछले कुछ दिनों से देख रहे हैं।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का यह बयान पुराने ढाका के तांतीबाजार इलाके में एक दुर्गा पूजा मंडप पर देसी बम फेंके जाने के बाद आया है. बांग्लादेश स्थित प्रोथोमालो की एक रिपोर्ट के अनुसार, बम से हल्की आग लग गई और इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आह्वान करते हुए, जयसवाल ने कहा, 'हम बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करते हैं। शुभ त्योहारों के समय इन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

प्रोथोमालो की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस को एक कांच की बोतल में पेट्रोल से बना बम मिला. घटना शुक्रवार शाम 7 बजे की है. स्थानीय लोगों के अनुसार, पूजा मंडप के बगल के हिस्से से युवाओं के एक समूह ने वेदी पर एक नुकीली बोतल फेंकी, जबकि स्वयंसेवक हमलावरों के पीछे भागे और उन पर भी चाकुओं से हमला किया।

हरियाणा में हार के बाद महाराष्ट्र में कांग्रेस अलर्ट: नेताओं को दिया गया खास नोटिस

हरियाणा विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर अलर्ट हो गई है. कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का मानना है कि सही रणनीति के अभाव में हरियाणा में बाजी पलट गई. ऐसे में अब पार्टी ने नोटावालों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी स्थान पर भाषण या बयान देते समय सावधानी बरतें. इसके अलावा, कांग्रेस राज्य में अपने समर्थकों के साथ अन्य वर्गों और जातियों और छोटे राजनीतिक दलों के चुनावी प्रभाव से सचेत रहने की रणनीति बना रही है।

हरियाणा में लोकसभा चुनाव में सफलता के बाद कांग्रेस को उम्मीद थी कि पार्टी विधानसभा चुनाव में भी अच्छा प्रदर्शन करेगी, लेकिन बीजेपी ने जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया. कांग्रेस ने हरियाणा में एक बड़े वर्ग, जाट समुदाय के वोट पाने के लिए अन्य जातियों और छोटे राजनीतिक दलों को नजरअंदाज कर दिया। महाराष्ट्र 288 विधानसभा सीटों वाला एक बड़ा राज्य है और जातिगत समीकरण भी क्षेत्र-दर-क्षेत्र भिन्न-भिन्न हैं। ऐसे में पार्टी ने कई मुद्दों को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में सपा, बसपा और अन्य स्थानीय छोटे राजनीतिक दलों की स्थिति का आकलन करना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस खुले तौर पर हरियाणा के नतीजों के लिए ईवीएम को जिम्मेदार ठहरा रही है, लेकिन वह सूक्ष्म स्तर पर त्रुटियों से भी अवगत है। पार्टी के एक दिग्गज नेता ने मीडिया से बात करते हुए माना कि कांग्रेस अपनी रणनीति में गलतियां कर रही है. हरियाणा में नेताओं की गुटबाजी तो थी लेकिन बागियों और निर्दलीय उम्मीदवारों की संख्या कम होने के कारण इस पर ध्यान नहीं दिया गया. भारत गठबंधन में शामिल सपा और आप को कमजोर माना जा रहा था. उसे हल्के में लिया गया. सपा को लेकर दीपेंद्र हुड्डा के बयान से पार्टी को यादव बहुल इलाकों में नुकसान हुआ. इसलिए हाईकमान ने सभी राष्ट्रीय और स्थानीय नेताओं को महाराष्ट्र से जुड़े किसी भी मुद्दे पर सोच-समझकर बयान देने या अपनी राय व्यक्त करने की सलाह दी है.

बाबा रामदेव खाने-पीने की चीजों में थूकने पर बोले- 'मुस्लिम पादरी को आगे आना चाहिए'

12 अक्टूबर

देश में खाने-पीने की चीजों में थूक और पेशाब मिलाने के वीडियो सामने आने पर विवाद बढ़ता जा रहा है। अब योग गुरु बाबा रामदेव ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने कहा, ''मुस्लिम मौलवियों को आगे आकर बोलना चाहिए. ऐसी घटनाएं न सिर्फ इस्लाम को बढ़ावा देती हैं, बल्कि इस्लाम के साथ-साथ कुरान भी बदनाम होता है.''

आजकल सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जिनमें साफ देखा जा सकता है कि खाने में थूका जा रहा है, पेशाब मिलाया जा रहा है. ऐसी घटनाओं का विरोध केवल मुस्लिम मुल्ला-मौलवियों को ही करना चाहिए।

जब ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं तो आश्चर्य होता है कि मुस्लिम गुरु चुप क्यों रहते हैं. ऐसे मुद्दों को सामने लाना चाहिए और ऐसी घटनाओं का आक्रामक तरीके से विरोध करना चाहिए.' ये सभी सदस्य समाज के लिए कलंक हैं।''

बता दें कि योग गुरु बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने आज हरिद्वार के कनखल स्थित दिव्य योग मंदिर में कन्या पूजन किया और इसी दौरान उन्होंने यह बयान दिया. इस मौके पर उन्होंने देशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं.

कांग्रेस का भागवत पर निशाना: किसी को हिंदू धर्म का ठेकेदार बनने का अधिकार नहीं

कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमख मोहन भागवत की टिप्पणी को लेकर शनिवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि किसी को हिंदू धर्म का स्वघोषित ठेकेदार बनने का अधिकार नहीं है। भागवत ने विजया दशमी कार्यक्रम में बांग्लादेश की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों के सिर पर खतरे की तलवार लटक रही है तथा हिंदू अब अपनी रक्षा के लिए सामने आए हैं।

कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमख मोहन भागवत की टिप्पणी को लेकर शनिवार को उन पर निशाना साधा और कहा कि किसी को हिंदू धर्म का स्वघोषित ठेकेदार बनने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, ''असंगठित एवं निर्बल होना दुष्टों के अत्याचारों को निमंत्रण देने के समान है। हिंदुओं को एकजुट होने की जरूरत है।'' भावगत की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''मेरा धर्म बहुत बड़ा है। इसे किसी संगठन या व्यक्ति द्वारा हाईजैक करने की इजाजत नहीं दी जा सकती।''

दशहरा रैली में गरजे शिंदे, कहा-हमने शिवसेना को मुक्त कराया

मुंबई : आज दशहरा का पर्व बड़ी धूम-धाम से देश भर में मनाया गया। इस कड़ी में महाराष्ट्र में भी दशहरा रैली का आयोजन शिवसेना के दोनों गुटों का आयोजन किया गया है। शिंदे गुट की तरफ से आजाद मैदान में तो ठाकरे गुट की तरफ से ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में रैली आयोजित की गई। इस दौरान दोनों गुटों के प्रमुख की तरफ से जमकर सियासी वार किया गया है।

आज दशहरा का पर्व बड़ी धूम-धाम से देश भर में मनाया जा रहा है। इस कड़ी में महाराष्ट्र में भी दशहरा रैली का आयोजन शिवसेना के दोनों गुटों का आयोजन किया जा रहा है। शिंदे गुट की तरफ से आजाद मैदान में रैली आयोजित हो रही है, वहीं ठाकरे गुट की तरफ से ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में आयोजन किया जा रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे मुंबई के आजाद मैदान में शिवसेना की दशहरा रैली में शामिल हुए। इस दौरान दशहरा रैली को संबोधित करते हुए सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि- हमने शिवसेना को उन लोगों से मुक्त कराया जिन्होंने बालासाहेब ठाकरे के आदर्शों के साथ विश्वासघात किया। सीएम शिंदे ने आगे कहा, पहले सभी को लगता था कि शिंदे सरकार 2-3 महीने में गिर जाएगी, लेकिन सरकार ने 2 साल पूरे कर लिए। अगर सरकार नहीं हटाई गई होती, तो महाराष्ट्र बहुत पीछे रह गया होता।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में महा विकास आघाडी (एमवीए) की सफलता बहुत कम समय के लिए है, जिसे आगामी विधानसभा चुनाव में दोहराया नहीं जा सकेगा। लोकसभा चुनाव में शिवसेना ने शिवसेना (यूबीटी) से सीधी टक्कर में 7 सीटें जीतीं और उसे छह निर्वाचन क्षेत्रों तक सीमित कर दिया। यह सफलता दर्शाती है कि हम ही असली शिवसेना हैं। इस दौरान सीएम शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) की तुलना असदुद्दीन ओवैसी वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन से की और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति को रेखांकित किया।

इस दौरान सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि, हमारी सरकार ने धारावी परियोजना शुरू की और मैं धारावी के लोगों से कहना चाहता हूं कि विपक्ष चाहे कुछ भी कहे, हमारी सरकार आपको अच्छे घर देने जा रही है... पहले बाबू (उद्धव ठाकरे) उठते थे, नहाते थे और फेसबुक पर लाइव हो जाते थे। लोगों को बाबू का नेतृत्व कभी पसंद नहीं आया, इसीलिए लोगों ने उनकी सरकार गिरा दी। महाराष्ट्र में महायुति की सरकार बनने जा रही है। मैं मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं।

मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे पार्टी की दशहरा रैली में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। जहां उन्होंने सबसे पहले अपने पिता बाला साहब ठाकरे की चित्र पर पुष्प अर्पित किया है। इस दौरान शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दशहरा रैली में कहा, मैं भाजपा के हिंदुत्व के संस्करण में विश्वास नहीं करता, इसलिए मैंने भाजपा से नाता तोड़ लिया। उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि, मैं दिल्ली के इस शासन और भ्रष्ट सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हूं। स्वर्गीय रतन टाटा एक बार मेरे घर आए थे और 'मातोश्री' से लौटने के बाद उन्होंने मुझसे कहा था कि उद्धव तुम्हारे और मेरे पीछे एक विरासत और परम्परा है, जिसे हमें आगे ले जाना है। रतन टाटा के पास उनके पिता की विरासत है और मेरे पास मेरे पिता बालासाहेब ठाकरे की विरासत है। हम असली शिवसेना हैं और बालासाहेब ठाकरे का नाम मेरे साथ है। वहीं उद्धव ठाकरे ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि, महायुति सरकार ने केवल वोट के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति बनाई और वह मूर्ति गिर गई, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं और आपसे वादा करता हूं कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो हम महाराष्ट्र के हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनाएंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज उनके लिए वोट बैंक हैं, लेकिन हमारे लिए वे भगवान हैं। इस मौके पर शिवसेना यूबीटी प्रमुख ने आरएसएस को नसीहत देते हुए कहा कि, आरएसएस को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह आज की 'हाइब्रिड' भाजपा से सहमत है। मैं आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का सम्मान करता हूं, लेकिन मुझे उनके विचार पसंद नहीं हैं। वह कह रहे हैं कि हिंदुत्व को बचाने के लिए एक साथ आओ, आपने या मोदी ने पिछले 10 सालों में हिंदुत्व को क्यों नहीं बचाया?

इससे पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता आदित्य ठाकरे भी दशहरा रैली में शामिल होने के लिए पहुंचे। वहीं दशहरा रैली को संबोधित करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा, असली शिवसेना यहीं है। मुझे गर्व है कि इस पार्टी का नाम मेरे पिता उद्धव और मेरे दादा बालासाहेब ठाकरे के नाम पर रखा गया है।

महाराष्ट्र में मुसलमानों को मिला दिवाली का तोहफा, शिंदे सरकार ने दी खुशखबरी

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने राज्य भर के मदरसा शिक्षकों के वेतन में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। इस कदम को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 से पहले एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव नजदीक आने के साथ ही महाराष्ट्र सरकार आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने से पहले कई कल्याणकारी पहल कर रही है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार ने राज्य भर के मदरसा शिक्षकों के वेतन में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को कैबिनेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आदिवासी समूहों और धार्मिक अल्पसंख्यकों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए कई लाभों की घोषणा की गई। चर्चा किए गए 80 प्रस्तावों में से 38 को कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दे दी गई। इन पहलों में ज़ाकिर हुसैन मदरसा आधुनिकीकरण योजना सबसे अलग है, जिसमें मदरसों में पारंपरिक धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ गणित, विज्ञान, समाजशास्त्र जैसे आधुनिक विषयों और कई भाषाओं - हिंदी, मराठी, अंग्रेजी और उर्दू - के एकीकरण पर जोर दिया गया है।

कैबिनेट ने अब राज्य के सभी ऐसे सरकारी शिक्षकों के वेतन में वृद्धि करने का फैसला किया है। इसके अलावा, कैबिनेट ने सरकारी नौकरी वाले मदरसा शिक्षकों के वेतन में उल्लेखनीय वृद्धि को मंजूरी दी और मौलाना आज़ाद अल्पसंख्यक वित्तीय विकास निगम का बजट 700 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपये कर दिया।

पहले डीएड (डिप्लोमा इन एजुकेशन) योग्यताधारी शिक्षकों को 6,000 रुपये प्रति माह मिलते थे, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 16,000 रुपये कर दिया जाएगा। इसी तरह, माध्यमिक स्तर के शिक्षक जो बीएड या बीएससी-बीएड योग्यता रखते हैं और माध्यमिक स्तर पर विभिन्न विषय पढ़ाते हैं, उनका वेतन 8,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये प्रति माह हो जाएगा। मदरसा शिक्षकों ने इस फैसले का स्वागत किया है, जिन्हें उम्मीद है कि वेतन वृद्धि से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा और वे अधिक प्रभावी ढंग से पढ़ा सकेंगे।

शिंदे सरकार ओबीसी और आदिवासी समुदायों से समर्थन हासिल करने के लिए काम कर रही है। कैबिनेट ने ओबीसी श्रेणी के लिए गैर-क्रीमी लेयर आय सीमा को 8 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये करने की सिफारिश की है। इसके अतिरिक्त, राज्य ने आदिवासी कल्याण कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए शबरी आदिवासी वित्त निगम के लिए अपनी गारंटी 50 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये कर दी है।

इस कदम को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 से पहले एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव नजदीक आने के साथ ही महाराष्ट्र सरकार आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू होने से पहले कई कल्याणकारी पहल कर रही है। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि महाराष्ट्र में चुनाव 26 नवंबर से पहले कराए जाने चाहिए, क्योंकि मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल नवंबर में समाप्त हो रहा है। 288 विधानसभा सीटों पर 9.59 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें 100 वर्ष से अधिक आयु के 49,039 मतदाता शामिल हैं।

जन हितैषी

गंगा भारतीयों की आस्था

गंगा भारतीयों की आस्था का आधार है। उसमें हम माँ का स्वरूप देखते हैं। गंगा हमें स्वर्ग के द्वार तक ले जाने वाली देवी है। इस पवित्र नदी में स्नान करने के लिए लोग देश- विदेश से यहाँ आते हैं। धार्मिक और परम्परागत सामाजिक मेलों में प्रत्येक वर्ष गंगा के तट पर करोड़ों लोगों की उमड़ने वाली भीड़ और उसमें प्रदूषण के प्रति जानकारी व जागरूकता का अभाव ही गंगा प्रदूषण के लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी है। वर्तमान में गंगा त्राहि- त्राहि कर रही है। भारत की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण, पवित्र और महिमामयी नदी गंगा उत्तराँचल में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी में विद्यमान सुन्दरवन डेल्टा का अभिसिंचन करते हुए एक विशाल भू- भाग को हरा-भरा बनाती है। स्वर्गगंगा, त्रिपथगा, पाताल गंगा, भागीरथी, जाह्नवी, मन्दाकिनी, अलकनन्दा आदि विभिन्न नामों से पुकारी जाने वाली यह गंगा नदी जन- जन की भावनात्मक आस्था का आधार है। वैदिक तथा पौराणिक साहित्य में गंगा का विषद वर्णन मिलता है। वस्तुतः गंगा नदी गंगोत्री हिमनद से निकलती है। हरिद्वार से लगभग 800 कि मी। मैदानी यात्रा करते हुए गढ़मुक्तेश्वर, फर्रूखाबाद, कन्नौज, बिठूर, कानपुर होते हुए गंगा इलाहाबाद पहुँचती है। यहाँ इसका संगम यमुना के साथ होता है। यह संगम स्थल हिन्दुओं का एक पवित्र तीर्थ है जिसे तीर्थराज प्रयाग कहते हैं। लेकिन गंगा के तट पर घनी आबादी वाले औद्योगिक नगरों के अपशिष्ट के सीधे गंगा नदी में गिरने से गंगा का प्रदूषण पिछले कई वर्षों से एक समस्या के रूप में हमारे सामने है। अब समय है पवित्र गंगा को बचाने का। पहली बार गंगा को निर्मल और अविरल बनाने पर गंभीर पहल होती दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गंगा की सफाई को राष्ट्रीय महत्त्व का दर्जा देकर जनांदोलन बनाने का भरोसा दिया है। शुरुआती सौ दिनों के भीतर ही न केवल गंगा के लिए अलग मंत्रालय बनाया गया बल्कि पवितपावनी को निर्मल बनाने के लिए 2037 करोड़ रुपये की नमामि गंगे योजना का भी ऐलान किया गया। साथ ही गंगा तथा यमुना के घाटों के संरक्षण के लिए भी 100 करोड़ रुपये आवंटन किए गए। पहली बार किसी सरकार ने प्राथमिकताओं में गंगा को इतना ऊपर रखा है। गंगा को निर्मल बनाने के प्रयास काफी समय से किए जा रहे हैं। इस शृंखला में वर्ष 2008 में गंगा को राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया था। इसके बाद भी गंगा का प्रदूषण घटने के बजाय लगातार बढ़ता जा रहा है। गंगा हमारी राष्ट्रीय एवं पवित्रतम नदी है। इसके तट पर अनेक तीर्थस्थल विराजमान हैं। गंगा घाटी में भारत की लगभग 37 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है तथा एक लाख से अधिक जनसंख्या वाले 27 नगर इसके किनारे बसे हुए हैं, जिनमें सबसे बड़ा नगर कानपुर है और दूसरा पटना है। मछलियों की लगभग 375 प्रजातियाँ गंगा में पाई जाती हैं जो मत्स्य उद्योग को सशक्त आधार प्रदान करती हैं। गंगा का आर्थिक महत्त्व देश को इसके द्वारा प्राप्त पर्यटन उद्योग से उत्पन्न आय के कारण भी है। इसके तट पर ऐतिहासिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण तथा प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण अनेक पर्यटन स्थल हैं।

भारत के संदर्भ में हमें गढ़ने होंगे अपने विमर्श

आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। यह, विमर्श गढ़ने वाले व्यक्ति द्वारा किन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु इसे गढ़ा जा रहा है, पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए कुछ देशों के सम्बंध में प्रायः कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे, अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां सामान्यतः व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के सम्बंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है। इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं ये देश भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं।

भारत की प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं।

पश्चिमी एवं भारतीय विचारधारा में जमीन आसमान का अंतर है। जैसे भारत में व्यापार के मामले में ''शुभ लाभ'' की विचारधारा पर कार्य किया जाता है। परंतु, पश्चिमी देशों में पूंजीवाद का अनुसरण करते हुए व्यापार में अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया जाता है इसके लिए चाहे सामान्यजन को कितना ही नुक्सान क्यों नहीं उठाना पड़े, इसे ''शुद्ध लाभ'' की संज्ञा दी जाती है। और, इसी प्रकार, वामपंथी विचारधारा में अप्रत्यक्ष रूप से ''शून्य लाभ'' के लिए कार्य होता दिखाई देता है जिससे अंततः व्यापार ही समाप्त होने की ओर आगे बढ़ जाता है। पश्चिमी एवं अन्य कई देशों में आज पूंजीवाद की विचारधारा को ही अपना लिया गया है। जिसके परिणामस्वरूप केवल लाभ को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार करने वाली अमेरिकी कम्पनियों की सम्पत्ति आज कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली माइक्रोसॉफ्ट नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 3.126 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। एप्पल नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 2.65 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। ऐमेजोन नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 1.87 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। इसी प्रकार, मेटा नामक अमेरिकी कम्पनी की सम्पत्ति 1.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। अमेरिका ने अधिकतम लाभ अर्जन को मुख्य उद्देश्य मानकर पूंजीवाद को बढ़ावा दिया जिससे आज अमेरिका कई अरबपति बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वर्ग बन गया है और आज इन अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की सम्पत्ति कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। ब्रिटेन, कनाडा, फ्रान्स आदि जैसी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास है। भारतीय परम्परा में व्यापार में शुभ लाभ इसलिए कहा गया है क्योंकि भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि व्यापार में होने वाले लाभ को 7 हिस्सों में बांटकर समाज में अति पिछड़ा वर्ग की मदद हेतु भी एक हिस्सा उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि अति गरीब वर्ग भूखा न रहे। यह संस्कार भारतीय नागरिकों में ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना का संचार करते है। इसी कारण से आज विश्व भर में फैले आतंकवाद से निपटने में केवल भारतीय सनातन संस्कृति ही सक्षम दिखाई देती है। अतः भारतीय सनातन संस्कृति को पूरे विश्व के हितार्थ समस्त देशों को अपनाना चाहिए, आज यह विमर्श खड़ा किए जाने की सख्त आवश्यकता है।

पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। इसीलिए भारत ने विश्व में दिलों को जीता है एवं कभी भी किसी देश पर आक्रमण करते हुए उनकी भूमि के एक इंच हिस्से पर भी अपना कब्जा नहीं जमाया है। साथ ही, भारत में ''संयुक्त परिवार ही भारतीय नागरिकों के सुख का आधार है''। पश्चिमी देशों में तो आज संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं और इसके दुष्परिणाम के रूप में वहां पर सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिखाई दे रहा है। इन देशों में तलाक की दर बहुत अधिक है और इन देशों में नागरिक एक जीवन में 7 शादियां तक कर लेते हैं जबकि भारत में शादी को एक पवित्र बंधन मानते हुए पति-पत्नी के लिए विवाह नामक संस्था को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। एक से अधिक शादियां करने के चलते पश्चिमी देशों में बच्चों को अपने पिता के बारे में ही जानकारी नहीं रह पाती है। बुजुर्ग दम्पति अपने अंतिम समय पर बहुत पीड़ादायी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों में हिंसा की प्रवृति बढ़ रही है एवं छोटे छोटे बच्चे डीप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। उक्त प्रकार की कई सामाजिक बुराईयों ने इन देशों में अपना घर बना लिया है। ''भारत ने विश्व का दिल जीता है'' एवं ''भारतीय संयुक्त परिवार ही सुख का आधार है'', ''सेवा कार्य भारतीय नागरिकों के ॐ में है'' जैसे विमर्श आज हम भारतीयों को गढ़ने की जरूरत है।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है। इसके ठीक विपरीत भारतीय सनातन संस्कृति पुनर्जन्म में विश्वास करती है इससे भारतीय नागरिकों द्वारा उपभोग में संयम बरता जाता है एवं उत्पादन में बहुलता होने की विचारधारा पर कार्य करते हुए दिखाई देते हैं। ईश्वर से प्रार्थना की जाती है कि ''प्रभु इतना दीजिए कि मैं भी भूखा ना रहूं और अन्य कोई भी भूखा ना सोय'', यह भारतीय विचारधारा है। हिंदू एक जीवन पद्धति है इसे धर्म से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। धर्म का आश्य अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से है। जबकि कई बार हिंदू शब्द को धर्म से जोड़ दिया जाता है और हिंदू को एक अलग धर्म मान लिया जाता है। हिंदू राष्ट्र भारत की संकल्पना है।

अतः आज यदि कुछ विदेशी शक्तियां भारत के विरुद्ध झूठे विमर्श गढ़ने में व्यस्त हैं तो भारत को भी अपने बारे में सत्य पर आधारित विमर्श गढ़ने की महती आवश्यकता है। भारतीय सनातन संस्कृति तो इस धरा पर उपस्थित समस्त जीवों के भले की बात करती है, इसीलिए भारत में पर्वत, नदी, पेड़, पौधों, जंतुओं आदि को भी पूजा जाता है। भारतीय संस्कृति में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। परंतु, दुर्भाग्य से आज पूरे विश्व में हिंसा व्याप्त है। इस हिंसा को केवल और केवल भारतीय सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपना कर ही रोका जा सकता है। भारत के बारे में वास्तविक एवं सत्य पर आधारित विमर्श को गढ़कर, इस विमर्श के माध्यम से विश्व के अन्य देशों के नागरिकों को भारतीय सनातन संस्कृति की ओर आकर्षित किया जा सकता है। (लेखक-प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

काले कौवे से नहीं नमकीन के पैकेट से डरियो

आज अचानक मुझे पूर्व मंत्री और गीतकार विठ्ठल भाई पटेल का कौवा याद आ गय। याद ही नहीं आया बल्कि आज के आलेख का शीर्षक गढ़ने के काम भी आ गया।पटेल साहब ने लोगों को झूठ बोलने से रोकने के लिए फिल्म बॉबी के लिए लिखा था झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो और मुझे लिखना पड़ रहा है कि आज काले कौवे से नहीं काले नमकीन स डरने की,बचने की जरूरत है । इस समय मुल्क में दो ही बातों की चर्चा है। एक सियासत की और दुसरे नशे की। देश की राजधानी और केंद्र शासित दिल्ली में नशा अब नमकीन के पैकेट में उपलब्ध है । जांच ऐजेंसियों ने तो मात्र 2000 करोड़ का कोकीन बरामद किया है ।नशा जब नमकीन हो जाये तो भगवान ही मालिक है।

मै उन तमाम लेखकों में से शयद एक हूँ जिन्हें हर नशे की तफ्सील का पता है। नशा बहुआयामी और बहुरूपी होता है। लेकिन इसका सत्ता से सीधा रिश्ता है । , क्योंकि सत्ता अपने आप में ही एक नशा है। सत्ता का नशा एक बार सर पर चढ़ जाये तो कभी उतरता नहीं है,भले ही जान चली जाय। सत्ता का नशा आदमीको उस वक्त तक रहता है जब तक की उसके पांव कब्र में न लटकने लगें कृषि प्रधान देश को इस नशे ने अब नशा प्रधान देश बना दिया है। नशा केवल भारत की नहीं अपितु पूरी दुनिया की ,पूरी मानवता की समस्या है । पूरी दुनिया नशे का तोड़ खोज रही है लेकिन अभी तक किस को कामयाबी नहीं मिली है। मुझे डर है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई न की गयी तो भारत भी कहीं दुसरे देशों की तरह एक 'नार्को-स्टेट' न बन जाये

भारत में नशे का कुल कारोबार कितने करोड़ का है ,कोई नहीं जनता ? फिर भी यत्र-तत्र से आये आंकड़े बताते हैं कि भारत भले ही दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था न बन पाया हो लेकिन नशे की जब्ती कि मामले में दुनिया में भारत का नंबर चौथा जरूर है । आंकड़ों के मुताबिक,8 साल पहले तक तक भारत में नशे का करीब 10 लाख करोड़ का था ।नशे कि कारोबार को कोई आडिट तो होता नहीं है इसलिए वास्तविक आंकड़ों की बात ह बेमानी है

दुनिया कि पास जैसे करोना का हिसाब रखने कि लिए एक वैश्विक मित्र बनाया गया था वैसा ही एक वैश्विक मित्र नशे की लत का पता करने कि लिए बनाया गया था। ड्रग वॉर डिस्टॉर्शन और वर्डोमीटर की रिपोर्ट को सही मानें तो , देश में अवैध दवाओं का कारोबार करीब 30 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है. नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट रिपोर्ट के अनुसार, देश की आबादी के 10 से 75 साल तक करीब 20 प्रतिशत लोग किसी न किसी तरह के नशे के आदी हैं. इनमें महिलाओं की संख्या भी अच्छी खासी है. आजकल कम उम्र के बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं।

नशे से मेरा पहला परिचय तब हुआ था जब मै बामुश्किल बढ़ साल का रहा होऊंगा । मेरे ताऊजी विधुर थे, प्रधानाध्यापक थे लेकिन गांजा उनका प्रिय मद था । उनकी बैठक में गंजेड़ियों की महफ़िल लगती था । कहने को ये संत सभा होती थी लेकिन सब आते थे चिलम लगाने । मेरा काम चिलम में रखने कि लिए कंकड़ और मूँज ड घास से बनी रस्सी . का टुकड़ा लेकर आने का था । ताऊ जी के सेवक बड़ी हिकमत से गांजा हथेली पर मलते और फिर चिलम में डालते। वे लोग जब चिलम फूंकते थे तब मै उन्हें जिज्ञासावश दीवार से सटकर देखता था ,लेकिन चिलम से उठने वाला धुंआं मुझे बहुत भीना-भीना लगता था। मै देर तक वहां खड़ा गांजे की नशीली हवा सुड़कता रहता था। एक दिन किस समझदार को मेरी आदत की भनक लगी तो मुझे चिलमचियां की सभा से बेदखल कर दिया गया। ताओ की महफ़िल में भांग का घोंटा भी लगता था ,हाँ तब शराब नहीं चलती थी । ये बात कोई पचास साल पहले की है।

नशा बहुरूपिया है। शराब ,गांजा ,भांग,कि अलावा ड्रग्सड जिसमें असंख्य नाम शामिल हैं के अलावा अब तो लोग सीधे सांप का दंश लेने लगे हैं। नशा परफ्यूम ,नेल पालिश,बूट पालिश कि हरिये ही नहीं बल्कि और भी तरीकों से किया जा रहा ह। अब तो सोशल साईट्स भी नशे का एक नया रूप बन गयीं हैं ,सिलोचन टयूब और खांसी की दवा भी नशे का नया रूप हैं। आप कहाँ-कहां हथेली लगाआयेंगे ? हमारे यहां तो नशा धर्म से भी जुड़ा है । भगवान शंकर को लोगों ने जबरन नशे का प्रतिनिधि बना लिया है।

भारत में नशा ऐसे ही दबे पांव घरों में प्रवेश करता है और फिर धीरे-धीरे पूरी की पूरी पीढ़ी को अपनी चपेट में ले लेता है। नशा अनाज की तरह नगद फसल है। नशे कि कारोबारियों को इसके लिए किसी मंडी में नहीं जाना पड़ता। नशा उसी तरह बाजार से घर-घर तक पहुंचता है जैसे के कोकाकोला पहुंचा करता था। बिना किसी विज्ञापन के होने वाले इस कारोबार का असली संरक्षक हमारी सत्ता और सत्ता कि जुड़े नुमाइंदे होते हैं। ये नशा देश कि पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू कि लिए जितनी बड़ी चुनौती नहीं था जितना की आज कि प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दस मोदी कि लिए है।

मेरी जानकारी के मुताबिक मोदी जी नशे से कोसों दूर हैं,उन्हें सत्ता के नशे के अलावा कोई नशा नहीं है लेकिन उनकी कृपा जिन लोगों पर है वे नशे के कारोबार में लगता है आकंठ डूबे है। मोदी जी के गृहराज्य गुजरात से देश में प्रवेश करने वाला नशा आज पूरे देश में व्याप्त हो चुका है। आपको याद होगा की मोदी जी ने अपने जिस शुभचिंतक को मुद्रा पोर्ट दिलाया उसी पर नशे की सबसे बड़ी खेप अतीत में पकड़ी जा चुकी है लेकिन आजतक असली अपराधी का पता नहीं चला। पोर्ट के मालिक को क्लीनचिट मिल गयी। दिल्ली से पहले डबल इंजिन से चलने वाले मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भी नशे की फैक्ट्री पकड़ी जा चुकी है और फैक्ट्री संचालक का कनेक्शन प्रदेश के एक उप मुख्यमंत्री तक से जुड़ चुका है लेकिन न किसी का इस्तीफा हुआ और न होगा।

नशे के कारोबार में मेरे ख्याल से जो लोग शामिल हैं वे राजनीति से बहुत ऊपर उठे हुए लोग है। सभी राजनितिक दलों के लोग इस कारोबार से बाबस्ता हैं। कुछ खुलेआम और कुछ छुपे रुस्तमों की तरह। भाजपा की एक नयी नवेली संसद का नाम तो अखंड नशेड़ियों की सूची में शामिल रहा ह। कांग्रेस के एक डिवनगत संसद श्रीमान सुनील दत्त के बेटे संजय दत्त को तो नशे ने रजतपट से जेल तक पहुंचा दिया था। नशे ने अपने आपको समय के साथ बदला है ,अब नशे के लिए बाकायदा रेब पार्टियां होतीं हैं और इनके आयोक्ज बड़े-बड़े स्वनामधन्य परिवारों के चश्मों-चिराग होते है। वे पकडे जाते हैं ,फिर उन्हें छोड़ दिया जाता है । स्कूलों ,कालेजों ,विश्व विद्यालय परिसरों में नशे की पहुँच आज से नहीं बल्कि तब से है जब भाजपा सत्ता में नहीं आयी थी । भाजपा के सत्ता में आने के बाद इसमें कमी आने के बजाय इजाफा हुआ है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रमेश नगर में एक गोदाम से 200 किलोग्राम कोकीन जब्त की, जिसकी कीमत लगभग 2,000 करोड़ रुपये है. इस ड्रग्स को नमकीन के पैकेट्स में छुपाया गया था. इस मामले में चार आरोपी गिरफ्तार हुए हैं, जबकि मास्टरमाइंड लंदन फरार है. पुलिस अब तक कुल 7,000 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त कर चुकी है। नशे के कारोबार में 100 करोड़ की रिश्वत लेने के कथित आरोप में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जेल यात्रा कर चुके है। उनका मुख्यमंत्री पद चला गया है और अभी भी सजा की तलवार सर पर लटक रही है।

जग जाहिर है कि आतंकवादी संगठन भी अपनी गतिविधियों के लिए जरूरी पैसा अक्सर नशीली दवाओं के कारोबार से हासिल करते हैं। अफगानिस्तान स्थित इस्लामिक स्टेट (खुरासान) के अलावा वहां के तालिबान शासकों और पाकिस्तान में तहरीके तालिबान पाकिस्तान की आय का एक बड़ा स्त्रोत मादक पदार्थ ही हैं।भारत में भी नशे कि धन से आतंकी कार्रवाइयां जारी हैं। नशा पहले पंजाब को उड़ा चुका है और अब मध्यप्रदेश को उड़ने में लगा है। इसे फौरन न रोका गया तो नशा भारत को भी लैटिन अमेरिका, यूरोप और अफ्रीका की तरह बर्बाद कर देगा।

मेरी चिंता तो ये है की कांग्रेस के जमाने में लिकाछिपि से होने वाला नशे का व्यापार मोदी युग में नमकीन के डिब्बों तक आ पहुंचा ह। ये कहीं आने वाले दिनों में मिठाई और प्रसादम के डिब्बों तक न पहुँच जाये। देश की 85 करोड़ की आबादी को अगले चार साल तक मुफ्त अनाज देने का इंतजाम करने से बेहतर है की हमारी सरकार इस नशे को नेस्तनाबूद करने के लिए कोई समयसीमा तय करे , क्योंकि इस 85 करोड़ की आबादी में से एक चौथाई आबादी नशे की गिरफ्त में नशा कबाड़ बीनने वाले बच्चों से लेकर अमीरजादों तक की जिंदगी बर्बाद कर रहा है ,इसलिए मै कहता हूँ की जागो जन-गण-मन के देवता जागो। नशे के खिलाफ एकजुट हो जाओ और सर्कार को भी विवश करो की वो नशे को राष्ट्रद्रोह से भी बड़ा अपराध मने और उसके लिए नए सिरे से सजा मुकर्रर करे। अन्यथा एक दिन वो भी आएगा जब हम सब नशे के गुलाम हो चुकेंगे। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

हरियाणा विधानसभा चुनाव की जीत

युधिष्ठिर और दुर्योधन के बीच हुए जुए की तरह

वहां शकुनी मामा ने पांसे फेके हरियाणा का मामा कौन

हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आ गए हैं। मतदान के बाद कांग्रेस की एक तरफा जीत की बात कही जा रही थी। इसे मतदाताओं की नाराजी और संविधान की जीत के साथ जोड़ा जा रहा था। हरियाणा का चुनाव जनता लड़ रही थी। हरियाणा के पहलवान, किसान और बेरोजगार चुनाव लड़ रहे थे। इसका फायदा कांग्रेस को हो रहा था। जिस तरह से कौरव-पाण्डव की लड़ाई में द्रोपती का चीरहरण हुआ था। सारा दरबार जिसमें भीष्म पितामह भी थे। आंखें नीची करके द्रोपती का चीरहरण होते हुए देख रहा थे। कुछ इसी तरीके की स्थिति हरियाणा विधानसभा के चुनाव में देखने को मिली है। द्रोपदी का चीरहरण हो रहा था, उस समय भगवान कृष्ण द्रोपती की रक्षा करने के लिए पहुंच गए थे। हरियाणा के चुनाव में संविधान का जो चीरहरण हो रहा है। उसके लिए कौन लोकतंत्र की सहायता के लिए आगे आएगा। इसको लेकर हरियाणा में कुरुक्षेत्र और महाभारत की यादें लोगों को याद आने लगी है।

हरियाणा विधानसभा के चुनाव में शुरुआती जीत कांग्रेस के पक्ष में जा रही थी। अब इस तरह के प्रमाण सामने आ रहे हैं। मतगणना के दौरान ईवीएम मशीनों को बदल दिया गया है। जिन मशीनों की बैटरी 99 फ़ीसदी चार्ज थी। उन्हीं ईवीएम मशीनों को संविधान का चीरहरण करने के लिए जिम्मेदार माना जा रहा हैं। 5 अक्टूबर को मतदान के बाद शाम 7 बजे आयोग ने हरियाणा में 61.8 फ़ीसदी मतदान होने की सूचना दी। इसके बाद रात में चुनाव आयोग ने एक बार फिर आंकड़ा जारी किया। चुनाव में 65.5 फ़ीसदी मतदान होने की बात कही गई। 7 अक्टूबर को चुनाव आयोग ने अपनी ही वेबसाइट में 67 फ़ीसदी मतदान होने की जानकारी सार्वजनिक की। इससे चुनाव आयोग भी आरोपों के घेरे में आ गया है।

48 घंटे के अंदर चुनाव आयोग की वेबसाइट में 5.02 फ़ीसदी मतदान बढ़ गया। जिस तरह के अप्रत्याशित चुनाव परिणाम 8 अक्टूबर को मतदान के दौरान देखने को मिले। उसके बाद हरियाणा के मतदाताओं को चुनाव पर विश्वास ही नहीं हो रहा है। इस बार चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर राजनैतिक दलों के मन में संदेह था। इसके लिए फॉर्म 17ग की जानकारी लेने में मतदान केंद्रों के एजेंट काफी सजग थे। मतगणना के समय-समय पर जो गड़बाडियां सामने आई। इसकी लिखित शिकायत करते हुए, मतदान केंद्र में आपत्ति दर्ज कराई गई। मतदान के दौरान कई ईवीएम मशीनों की बैटरी 99 फ़ीसदी चार्ज पाई गई थी। इन्हीं ईवीएम मशीनों ने मतगणना में भारतीय जनता पार्टी को 65 फ़ीसदी से ज्यादा मत मिले। इसके बाद यह मामला तूल पकड़ता चला गया।

वोटों में हुई वृद्धि का रहस्य

चुनाव आयोग के पोर्टल में मतदान के आंकड़ों में 3 बार परिवर्तन किया गया। 5.2 वोट 48 घंटे के अंदर बढ़ गए। इस रहस्य को समझने के लिए अब राजनैतिक दल फार्म 17सी और अन्य जानकारी को जुटाकर चुनाव आयोग को घेरने का काम कर रहे हैं।

ईवीएम मशीनों की जांच

प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा है कि तीन जिलों कि ईवीएम मशीनों में छेड़छाड़ की गई है। ईवीएम मशीनों को बदला गया है। जिन मशीनों की बैटरी 99 फ़ीसदी चार्ज थी। उसमें 65 फ़ीसदी से ज्यादा वोट भाजपा के उम्मीदवारों को मिले हैं। चुनावी प्रक्रिया में की गई इस गड़बड़ी को हरियाणा के चुनाव में लोकतंत्र की हार और तंत्र की जीत बताया जा रहा है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बयान से संदेह बढा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा की एक सभा में यह कहा था। उन्होंने कहा था हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की तरह होंगे। वहां पर भी यही दावा किया जा रहा था, कि कांग्रेस सरकार बना रही है। लेकिन वहां पर भाजपा की सरकार बनी। हरियाणा के मुख्यमंत्री ने भी मतगणना के 24 घंटे पूर्व यह दावा किया था। हरियाणा में स्पष्ट बहुमत के साथ भाजपा सरकार बनाने जा रही है। हमने सारे इंतजाम कर लिए हैं।

हरियाणा के चुनाव परिणाम की सबसे बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया, हरियाणा के मतदाताओं में हो रही है। हरियाणा में कुरुक्षेत्र है, जहां महाभारत का युद्ध हुआ था। धर्म और अधर्म की लड़ाई हरियाणा की भूमि पर लड़ी गई थी। अब तंत्र और लोकतंत्र की लड़ाई भी हरियाणा की पावन भूमि में लड़ी जा रही है। इस लड़ाई ने लोगों के मन में कौरव और पांडवों के बीच हुए महाभारत युद्ध की यादें ताजा कर दी है। हरियाणा में एक बार फिर तंत्र और लोकतंत्र के बीच युद्ध शुरू हो गया है। इसमें कौन सा तंत्र जीतता है। इसको लेकर लोगों में बड़ी जिज्ञासा देखने को मिल रहा है। (लेखक-सनत जैन/ईएमएस)

सारे एग्जिट पोल की धज्जियाँ उड़ गई

हरियाणा में विधानसभा चुनाव में बीजेपी को स्पस्ट महुमत मिला जो सभी एग्जिट पोल की पोल खोल दि है मैंने कहा था बीजेपी सरकार बना सकती है और कांग्रेस 35सीट पर सिमट जायेगी और हुआ भी वही जो सटीक बैठा क्योंकि हरियाणा के बहाव को कुछ लोगों से हुई चर्चा के अनुसार अनुमान था इसमें कुछ सीट बीजेपी की जरूर बढ़ी है लेकिन मैंने कहा था बीजेपी आसानी से सरकार बना लेगी इसके दो कारण है मोदीजी की लोकप्रियता और महिलाओ का साइंलेन्स वोट जो समझ नहीं सके ऐसा नहीं है कि मुस्लिम उन्हें वोट नहीं देते है क्योंकि जब एक टैक्सी से सबारी कर रहा था तो वो मुसलमान अवश्य था लेकिन बीजेपी में रूचि थी और वोट भी दिया क्योंकि वो दंगा में पड़ना नहीं चाहता व उसे अपने व्यवसाय में ठीक लगा और वोट दिया ऐ सिर्फ वहम है सच्चाई ऐ है कि आज क्रोई भी धर्म व जातपात में उतना ध्यान नहीं देता है अतः देश में जो भी शांति का माहौल देता है वोट मिलता है इसलिए महिलाओ में एक बड़ा वर्ग बीजेपी के साथ है क्योंकि उसकी सुरक्षा अच्छी लगती है और प्रशासन जब ठीक काम करता है और सभी को एक ही नजर से न्याय करता है तो जनता भी समझती है एक आम व्यक्ति जब बोल रहा है कि बीजेपी की सरकार बनेगी तो इतने सारे एग्जिट पोल धराशाही क्यों हो जाते हैं क्योंकि ग्राउंड पर बाद में जाते हैं जब सर्वे करना होता है फिर उसी को प्रोबब्लीटी और स्टेटिक्स से आकड़ा को सॉफ्टवेयर में खुब चमकाते हैं लेकिन जब गुप्त मतदान है तो आप कुछ भी नहीं बता सकते अतः इसे रोकना चाहिए क्योंकि जो आस मिठाई की लगाए बैठे होते है उन्हें मायूसी होती मजा किरकिड़ा हो जाता है और उसमें आपकी ही बदनामी होती है चाहे वो किसी पार्टी का हो आप लोगों से जुड़ने की कोशिश कीजिये और उन्हें अच्छे से जानने की कोशिश करें, तब असली हवा का रुख दिखेगा 100परसेंट क्रोई सही नहीं बता सकता लेकिन इतना तो जान ही सकते हैं कौन सरकार बना सकता है या उसके करीब है इसी तरह बार बार होता रहा तो लोग एग्जिट पोल देखना बन्द कर देंगे और आपको ही नुकसान हो सकता है इसकी अच्छे से प्लानिंग करें और चुनाव सही मायनों में लोकतंत्र का उत्सव है। चुनाव की तारीखों की घोषणा, नामांकन प्रक्रिया शुरू होने और चुनाव प्रचार शुरू होने का बेसब्री से इंतज़ार रहता है। चुनाव में मतदान के दिन भी बड़ी घटना बन जाता है। लेकिन भारत में कई लोगों के लिए सबसे ज़्यादा इंतज़ार उस दिन का होता है जब एग्जिट पोल जारी होते हैं। एग्जिट पोल इस बात का अनुमान देते हैं कि चुनाव में लोगों ने किस तरह से मतदान किया। ये पोल मतदाताओं से उनके मतदान के तुरंत बाद किए गए साक्षात्कार के आधार पर निकाले जाते हैं लेकिन उसने सही में किसे वोट दिया है आप कैसे बता सकते हैं ।जब तक समय नहीं निकालेंगे तब वहाँ की जनता से जुड़ने के बाद ही कुछ तस्वीर क्लियर नजर आएगी। (लेखक/ईएमएस-संजय गोस्वामी)

शब्द पहेली - 8156

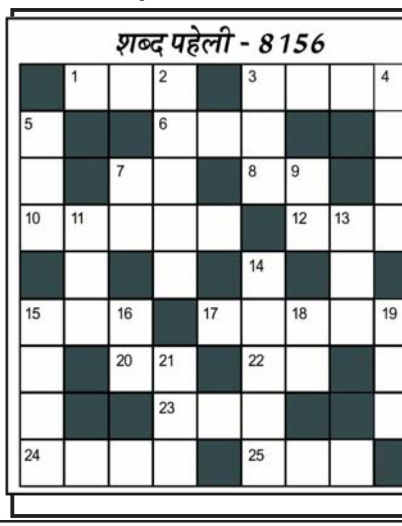

बाएँ से दाएँ

1. चोगा,गाऊन-3
3. पायजामा,शलवार-4
6. भाग्य,लक-3
7. सूर्य,भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता,निम्नता-5
12. मैडल,पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक,लेस-2
22. विलंब,लेट-2
23. जाँच,निरीक्षण-3
24. श्मशान,शवदाहगृह-4
25. साफ,बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता,उदारता-5
3. पाठ,शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन,मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप,लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा,हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8155 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

6,6,6,6,6... सैमसन का दशहरा धमाल, 47 गेंदों में 111 रन, तोड़ा रोहित शर्मा का रिकॉर्ड

भारत और बांग्लादेश के बीच हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी की. ओपनिंग करने आए संजू सैमसन ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए शतक जड़ा. उन्होंने रिशाद हुसैन के एक ओवर में लगातार 5 छक्के लगाए. इसके अलावा उन्होंने पहली 22 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया.

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. भारत ने ओपनर अभिषेक शर्मा का विकेट जल्दी खो दिया. लेकिन फिर संजू सैमसन को कप्तान सूर्यकुमार यादव का साथ मिला. संजू ने 40 गेंदों में अपना शतक पूरा किया. जिसमें उन्होंने 9 चौके और 8 छक्के लगाए. उन्होंने 47 गेंदों में 111 रन बनाए. संजू और सूर्यकुमार यादव की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 69 गेंदों पर 172 रनों की साझेदारी की.

इसके साथ ही संजू सैमसन टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं. उन्होंने लियाम लिविंगस्टोन और हजरतुल्लाह जाजई को पीछे छोड़ दिया। यह किसी पूर्ण सदस्य टीम के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी बल्लेबाज द्वारा लगाया गया चौथा सबसे तेज शतक है। इस सूची में पहले स्थान पर डेविड मिलर हैं। जिन्होंने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था. रोहित शर्मा ने भी 35 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की है.

भारतीय बल्लेबाज से हुई बड़ी गलती, अब टीम इंडिया में वापसी मुश्किल

12 अक्टूबर, श्रेयस अय्यरः फिलहाल भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज खेल रही है. इसके बाद न्यूजीलैंड भारतीय टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी. इस सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है. भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पिछले कुछ समय से टीम में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस बार भी उनकी टीम में वापसी नहीं हो सकी.

फिलहाल अय्यर घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में खेल रहे हैं. रणजी ट्रॉफी में भी उनकी शुरुआत खराब रही है, जिससे उनके लिए भारतीय टीम में वापसी करना मुश्किल हो गया है। श्रेयस अय्यर 2024/25 घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट में अब तक कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं. वह घरेलू क्रिकेट में लगातार फ्लॉप हो रहे हैं. बड़ौदा के खिलाफ मुंबई की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच में अय्यर ने पहली पारी में 8 गेंदों का सामना किया और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए. पिछले 4 प्रथम श्रेणी मैचों में तीसरी बार अय्यर बिना खाता खोले आउट हुए।

इसके अलावा अय्यर इससे पहले दलीप ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी में भी हिस्सा ले चुके हैं. लेकिन यहां भी वह कुछ खास नहीं कर सके. दलीप ट्रॉफी के तीन मैचों में भी वह दो बार खाता खोलने में नाकाम रहे.

दलीप ट्रॉफी में अय्यर ने 3 मैचों की 6 पारियों में 25.66 की औसत से सिर्फ 154 रन बनाए. जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं. वह एक भी शतक नहीं लगा सके. जिसके चलते उन्हें बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया. ईरानी ट्रॉफी में उन्हें मुंबई टीम में जगह मिली. उस मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया, लेकिन दूसरी पारी में 12 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हो गए।

लगातार खराब प्रदर्शन के कारण अय्यर की भारतीय टेस्ट टीम में वापसी अब काफी मुश्किल नजर आ रही है। अय्यर ने भारत के लिए अपना आखिरी टेस्ट मैच इसी साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था. इसके बाद से वह टीम में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं.

टीम इंडिया के पास गिल, पंत के.के. एल राहुल नहीं, इस स्टार खिलाड़ी को उपकप्तान बनाए जाने से लगा झटका

12 अक्टूबरः बीसीसीआई ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। चयनकर्ताओं ने एक और चौंकाने वाला फैसला लिया है. तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम का उपकप्तान बनाया गया है.

बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा कप्तान थे. लेकिन बोर्ड ने इस सीरीज के लिए किसी को उपकप्तान नियुक्त नहीं किया. एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहित शर्मा निजी कारणों से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीरीज का पहला या दूसरा टेस्ट मिस कर सकते हैं।

ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ बुमराह को टीम का उप-कप्तान बनाना इस बात की ओर इशारा करता है कि अगर रोहित शर्मा नहीं खेलते हैं तो इस सीरीज के पहले या दूसरे मैच में बुमराह कार्यवाहक कप्तान बन सकते हैं. क्योंकि सूत्रों के मुताबिक रोहित पहले या दूसरे या दोनों मैचों में नहीं खेलेंगे.

इससे पहले टीम की कप्तानी जसप्रित बुमरा कर चुके हैं. जुलाई 2022 में एजबेस्टन में पांचवें टेस्ट में बुमराह ने इंग्लैंड की कप्तानी की। इसके अलावा वह 2023 में आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भी भारत का नेतृत्व कर चुके हैं.

इसके अलावा बुमराह उपकप्तान की भूमिका भी निभा चुके हैं. 2022 में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बुमराह को उप-कप्तान की जिम्मेदारी दी गई थी. इसके अलावा उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों और इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में उप-कप्तान की भूमिका निभाई.

बुमराह ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी गेंदबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया। अगस्त 2023 में चोट लगने के बाद वह अब वापस आ गए हैं और अच्छा कर रहे हैं। उन्होंने 8 टेस्ट मैचों में 42 विकेट लिए हैं. इस दौरान उनका औसत 14.69 का रहा. बुमराह ने भारत के लिए खेले 38 टेस्ट मैचों में 20.18 की औसत से 170 विकेट लिए हैं। इसमें 10 बार 5 विकेट लेने की उपलब्धि भी शामिल है.

ब्रायन लारा की चेतावनी- ऑस्ट्रेलिया को अपनी पिचों पर कम न समझे टीम इंडिया

मुंबई (महाराष्ट्र) : आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर ब्रायन लारा ने मंगलवार को टीम इंडिया को आगाह किया और कहा कि ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू मैदान पर एक ठअलग जानवरठ है। भारतीय टीम ने आने वाले दिनों में प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। यह सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू हो जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली चार सीरीज़ लगातार जीती हैं, जिसमें 2018-19 और 2020-21 सीज़न में ऑस्ट्रेलिया में दो जीत शामिल हैं। भारत ने 10 बार बीजीटी जीता है जबकि ऑस्ट्रेलिया ने पांच बार। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ जीत 2014-15 सीजन में तो भारत में आखिरी सीरीज जीत 2004-05 में हासिल की थी।

बहरहाल, लारा ने कहा कि भारत में स्थितियां बदल गई हैं। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी सराहना। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि समायोजन ऊपरी स्तर पर है। समायोजन किसी भी परिस्थिति में आपकी प्रतिभा को समर्थन देने की क्षमता है। मैं इसे चुटकी के साथ कह रहा हूं, क्योंकि भारत में स्थितियां बदल गई हैं। आईपीएल के साथ, आपके पास अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी आ रहे हैं - और आप अपने खिलाड़ियों को एक अलग स्तर की प्रतिस्पर्धा खिला रहे हैं, जो बहुत अच्छा है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि उसे (यशस्वी जयसवाल) को तकनीकी रूप से बहुत कुछ करना है। मैं सिर्फ मानसिक रूप से सोचता हूं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके तटों पर खेलना आसान नहीं है। वह अपने घर पर एक अलग जानवर है।

बता दें कि पर्थ में पहले टेस्ट के बाद एडिलेड ओवल में 6 से 10 दिसंबर तक दूसरा टेस्ट होगा जोकि स्टेडियम की रोशनी में रोमांचक दिन-रात प्रारूप में खेला जाएगा। इसके बाद प्रशंसकों का ध्यान तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन के गाबा पर होगा, जो 14 से 18 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। मेलबर्न के मशहूर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 26 से 30 दिसंबर के बीच होने वाला पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट, श्रृंखला को अंतिम चरण में ले जाएगा। 3 से 7 जनवरी तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में 5वां और अंतिम टेस्ट होगा।

श्रीलंकाई टीम में राजपक्षे की वापसी, यह पूर्व कप्तान बाहर

कोलंबो : बल्लेबाज भानुका राजपक्षे की वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए श्रीलंका की टीम में वापसी हो गई है लेकिन पूर्व कप्तान दासुन शनाका को बाहर कर दिया गया है। राजपक्षे ने जनवरी 2023 में श्रीलंका के लिए आखिरी टी20 खेला था। इसके बाद वह सीपीएल में चले गए जहां सेंट लूसिया किंग्स के लिए खेलते हुए 6 मैचों में वह 25.60 की औसत और 111.30 की औसत से केवल 127 रन ही बना सके। शनाका की जगह भारत सीरीज के दौरान श्रीलंका के लिए डेब्यू करने वाले 22 वर्षीय ऑलराउंडर चामिंडु विक्रमसिंघे ने अपना स्थान बरकरार रखा है।

शेयर बाजार में फिर बिकवाली; सेंसेक्स 180 अंक फिसला, निफ्टी 31 अंक नीचे पहुंचा

नई दिल्ली : सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से कोटक महिंद्रा बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में लाभ रहा। टेक महिंद्रा, सन फार्मास्यूटिकल्स, इंफोसिस, टाइटन, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज पिछड़ने वालों में शामिल रहीं।

वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच बैंकिंग, बिजली और औद्योगिक शेयरों में बढ़त के कारण गुरुवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 144.31 अंक या 0.18 प्रतिशत बढ़कर 81,611.41 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 535.74 अंक या 0.65 प्रतिशत बढ़कर 82,002.84 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

एनएसई निफ्टी 16.50 अंक या 0.07 प्रतिशत बढ़कर 24,998.45 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में यह 152.1 अंक या 0.60 प्रतिशत बढ़कर 25,134.05 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआत से पहले बाजार में नकारात्मक रुझान के साथ सीमित दायरे में कारोबार हुआ।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ठएशियाई बाजार की शुरुआत अच्छी रही, लेकिन वे बढ़त बरकरार नहीं रख सके, क्योंकि अमेरिका में मुद्रास्फीति के प्रमुख आंकड़ों की प्रत्याशा में यूरोपीय बाजारों में नकारात्मक रुख रहा, वैश्विक बांड प्रतिफल में वृद्धि हो रही हैठ

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से कोटक महिंद्रा बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में लाभ रहा। टेक महिंद्रा, सन फार्मास्यूटिकल्स, इंफोसिस, टाइटन, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज पिछड़ने वालों में शामिल रहीं।

नायर ने कहा कि घरेलू बाजार में व्यापक गति सतर्कता के साथ मिश्रित रही, क्योंकि वैश्विक और ग्रामीण मांग में कमजोर गति के कारण वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के नतीजों की शुरुआती उम्मीदें कमजोर हैं। टाटा समूह की कंपनियों के शेयरों में गुरुवार को 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई, जिनमें टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन, टाटा केमिकल्स और टाटा टेलीसर्विसेज प्रमुख रूप से शामिल रहीं।

टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा, जिन्होंने समूह को एक वैश्विक समूह में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, का बुधवार देर रात निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। मध्य सत्र के सौदों में यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.37 प्रतिशत बढ़कर 77.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों में टोक्यो, हांगकांग, शंघाई और सियोल बढ़त के साथ बंद हुए। बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 4,562.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,508.61 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। बुधवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 167.71 अंक गिरकर 81,467.1 पर बंद हुआ था जबकि एनएसई निफ्टी 31.20 अंक गिरकर 24,981.95 पर बंद हुआ था।

चीन अगले हफ्ते चलेगा बड़ा दाव, बाजार में दिखेगी जबरदस्त गिरावट ! भारतीय निवेशकों के डूब सकते लाखों करोड़ रुपए

चीन की आर्थिक रणनीति का भारतीय शेयर बाजार पर गंभीर असर पड़ने की आशंका एक बार फिर से जताई जा रही है। ब्लूमबर्ग की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, चीन सरकार अगलेसप्ताह283अरबडॉलर (करीब 24 लाख करोड़ रुपए) का राहत पैकेज जारी कर सकती है। इस पैकेज का उद्देश्य चीन की धीमी अर्थव्यवस्था को रफ्तार देना है, लेकिन इसका भारतीय निवेशकों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। सितंबर में चीन ने इसी तरह का 12 लाख करोड़ रुपये का राहत पैकेज जारी किया था, जिसके बाद शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में तेज़ी आई थी, लेकिन भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का दौर शुरू हो गया था।

भारतीय निवेशकों को करीब 16 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा था। विश्लेषकों का मानना है कि यदि इस बार चीन एक बड़ा पैकेज जारी करता है, तो विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से और पैसा निकालकर चीन में निवेश कर सकते हैं। इकनॉमिक्स के प्रोफेसर पुशन दत्त के अनुसार, चीन का उद्देश्य इस बार रियल एस्टेट सेक्टर की बजाय घरेलू स्तर पर राहत प्रदान करना है, ताकि इसके दीर्घकालिक लाभ मिल सकें। यह पैकेज कोरोना महामारी के बाद चीन की अर्थव्य वस्था में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पिछलेसप्ताह के आंकड़ों से पता चलता है कि चीन के राहत पैकेज केबादविदेशी निवेशक भारतीय बाजार सेपैसानिकालनेलगेथे,जिससे भारती यबाजारमें गिरावट आई थी। अक्टूबर की शुरुआत से अब तक 20,000 करोड़ रुपये भारतीय शेयर बाजार से निकाले जा चुके हैं। अगर चीन के पैकेज के बाद विदेशी निवेशकों की निकासी फिर शुरू होती है, तो अगले सप्ताह भी भारतीय बाजार में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि चीन अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े कदम उठा रहा है, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजारों पर भी दिखाई देगा।

भारत ने बांग्लादेश को तीसरे टी20 में 133 रनों से हराकर, सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप

हैदराबाद : भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 133 रनों से हराकर तीन मैचों की टी20 सीरीज 3-0 से जीत ली। टेस्ट सीरीज के बाद भारत ने मेहमान टीम का टी20 सीरीज में भी सूपड़ा साफ किया। बांग्लादेश की टीम इस भारत दौरे पर एक भी मैच नहीं जीत सकी।

बल्लेबाजों के बाद स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने हैदराबाद में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में 133 रनों से हराया। भारत ने इसके साथ ही तीन मैचों की यह सीरीज 3-0 से जीत क्लीन स्वीप किया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के शतक और कप्तान सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 164 रन ही बना सका।

भारत के लिए बिश्नोई ने तीन विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज मयंक यादव को दो विकेट मिले। बांग्लादेश की ओर से तौहीद ह्रदोय 42 गेंदों पर 63 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज में भी 2-0 से क्लीन स्वीप किया था और अब टी20 सीरीज में भी सूपड़ा साफ करने में सफल रहे। भारत ने इस मैच में अपने टी20 इतिहास का सर्वोच्च स्कोर बनाया था और शुरुआत से ही भारतीय गेंदबाज बांग्लादेश पर दबाव बनाने में सफल रहे। भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रिशाद हुसैन को खाता खोले बिना आउट किया। बिश्नोई का इस मैच का यह तीसरा विकेट है। वहीं, तौहीद ह्रदोय ने शानदार पारी खेल अर्धशतक पूरा किया।

नीतीश कुमार रेड्डी ने मेहदी हसन मिराज को आउट कर बांग्लादेश को छठा झटका दिया। मेहदी नौ गेंद खेल कर तीन रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश को अब 20 गेंदों पर 160 रन बनाने हैं। मयंक यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए महमूदुल्लाह को आउट किया और भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। महमूदुल्लाह का बांग्लादेश के लिए यह अंतिम मुकाबला था। उन्होंने इस सीरीज के दौरान एलान किया था कि वह भारत के खिलाफ तीसरे टी20 के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास लेंगे। महमूदुल्लाह आठ रन बनाकर आउट हुए।

स्पिनर रवि बिश्नोई ने शानदार गेंदबाजी जारी रखते हुए लिटन दास को आउट किया। लिटन 25 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। लिटन तौहीद ह्रदोय के साथ मिलकर साझेदारी बना रहे थे, लेकिन बिश्नोई ने इस साझेदारी का अंत कर दिया। अब महमूदुल्लाह क्रीज पर उतरे हैं जिनका यह अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला है। शुरुआती झटकों के बाद लिटन दास और तौहीद ह्रदोय क्रीज पर टिक हुए हैं और बांग्लादेश की पारी आगे बढ़ा रहे हैं। बांग्लादेश ने 10 ओवर की समाप्ति तक तीन विकेट पर 94 रन बनाए हैं। बांग्लादेश को अभी भी 60 गेंदों पर 204 रन बनाने हैं। लिटन 21 गेंदों पर 37 रन और ह्रदोय 19 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं।

स्पिनर रवि बिश्नोई ने कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को आउट कर बांग्लादेश को तीसरा झटका दिया। शांतो 11 गेंदों पर 14 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश ने इस तरह 59 रन पर तीन विकेट गंवा दिए हैं। स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तंजिद हसन को रियान पराग के हाथों कैच कराया और बांग्लादेश को दूसरा झटका दिया। तंजिद 12 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हुए। तेज गेंदबाज मयंक यादव ने शानदार शुरुआत करते हुए सलामी बल्लेबाज परवेज हुसैन इमोन को पहली ही गेंद पर खाता खोले बिना आउट कर भारत को सफलता दिलाई। अब क्रीज पर तंजिद हसन के साथ कप्तान नजमुल हुसैन शांतो मौजूद हैं। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को तीसरे टी20 मैच में जीत के लिए 298 रनों का विशाल लक्ष्य दिया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी की और अपने टी20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। भारत के लिए संजू सैमसन ने शतक जड़ा, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अर्धशतक लगाया। सैमसन ने महज 40 गेंदों पर शतक जड़ा जो भारत के लिए इस प्रारूप में लगाया गया दूसरा सबसे तेज सैकड़ा है। सैमसन ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 173 रनों की साझेदारी की।

बोइंग ने लिया दुनिया भर में 17000 लोगों की छंटनी का फैसला

न्यूयॉर्क : कंपनी के इस फैसले से लगभग 17 हजार कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। बोइंग के इस फैसले से उसके उत्पादन में भी देरी होगी। हवाई जहाज बनाने वाली कंपनी बोइंग के कर्मचारियों के लिए बुरी खबर सामने आई है। बताया जा रहा कि कंपनी ने अपने 10 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला लिया है। इसके पीछे का कारण कारोबार में लगातार जारी दबाव और कर्मचारियों की हड़ताल से बढ़ता नुकसान है।

कंपनी के इस फैसले से लगभग 17 हजार कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। बोइंग के इस फैसले से उसके उत्पादन में भी देरी होगी। मुख्य कार्यकारी केली ऑर्टबर्ग ने ईमेल के जरिए कहा, वैश्विक स्तर पर होने वाली इस छंटनी में हर स्तर के कर्मचारी, जिसमें एग्जीक्यूटिव, मैनेजर और कर्मचारी सभी शामिल होंगे। यहां तक कि बोइंग ने अपने हथियार और सैन्य उपकरण बनाने वाले व्यापार में भी घाटे की चेतावनी दी है। साथ ही कंपनी ने अपने नए जहाज 777एक्स की डिलिवरी तारीखों को भी आगे बढ़ा दिया है।

इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स के बोइंग कर्मचारियों ने अनुबंध प्रस्ताव को भारी बहुमत से अस्वीकार कर 13 सितंबर को काम छोड़ दिया।

कंपनी फिलहाल करीब 33 हजार कर्मचारियों की हड़ताल से जूझ रही है जो बीते तीन हफ्ते से जारी है। इससे कामकाज पर बुरा असर पड़ा है। इस हड़ताल का असर कंपनी के सबसे ज्यादा बिकने वाले विमानों के उत्पादन पर भी देखने को मिला है। कर्मचारी की यूनियन 14 सितंबर से हड़ताल पर हैं। कंपनी और यूनियन के बीच बातचीत का भी कोई हल नहीं निकला है। स्थिति ये है कि पिछले महीने ही बोईंग नेशनल लेबर रिलेटेड बोर्ड के सामने यूनियन के खिलाफ अर्जी देकर शिकायत की है कि यूनियन हितों की अनदेखी करते हुए अड़ियल रवैया अपना रही है।

बोइंग ने कहा कि हड़ताल के कारण तीसरी तिमाही में उसके वाणिज्यिक विमानन परिणामों पर पूर्व कर तीन अरब डॉलर का बोझ पड़ा,जोप्रतिशेयर9.97डॉलरकेअनुमानित नुकसान का एक हिस्सा है।

ऑर्टबर्ग ने बताया, 'जब हमारा कारोबार चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे में हम अपने भविष्य के लिए महत्वपूर्ण फैसले ले रहे हैं और हमारी कंपनी को फिर से खड़ा करने के लिए हमें जो काम करना चाहिए, उस पर यही विचार है। ये जरूरी कदम हमारे कारोबार में महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलावों के साथ लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए जरूरी हैं।'

हड़ताल के कारण हुए नुकसान पर बोइंग ने कहा कि नए जहाज 777एक्स की डिलीवरी तारीखों को भी आगे बढ़ा दिया है। पहली डिलिवरी 2025 को होनी थी, मगर अब 2026 में की जाएगी। इसकी साथ ही कंपनी ने साल 2027 में 767 मालवाही का उत्पादन बंद करने की भी योजना बनाई है। उसका कहना है कि अपने सभी ऑर्डर को पूरा करने के बाद उत्पादन बंद किया जाएगा।

महाराष्ट्र में जुलूस के दौरान तनाव, अल्पसंख्यक समुदाय ने की नारेबाजी

मुंबई। मुंबई में शनिवार रात अज्ञात हमलावरों ने अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता एव महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं, महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष हमलावर हो गया है। शरद पवार ने कहा कि राज्य की ध्वस्त कानून-व्यवस्था चिंता का विषय है।

मामले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और मैंने डॉक्टरों और पुलिस से बात की है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, आरोपी यूपी और हरियाणा के हैं। तीसरा आरोपी फरार है। हमने मुंबई पुलिस को निर्देश दिए हैं कि कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मुझे यकीन है कि मुंबई पुलिस जल्द ही तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लेगी। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की

ईरान पर बड़ा साइबर हमला, परमाणु ठिकानों को बनाया निशाना, कई अहम जानकारियां चुराईं

12 अक्टूबर, 2024

मध्यपूर्व में जारी युद्ध के बीच शनिवार (12 अक्टूबर) को ईरान परबड़ासाइबरहमलाहुआ है। जानकारी के मुताबिक, ईरान की सरकार और परमाणु साइटों पर हुए इस साइबर हमले में कई अहम जानकारियां चोरी हो गई हैं. इस हमले में सरकार की तीन शाखाओं को निशाना बनाया गया है. ये साइबर अटैक कब हुआ और किसने किया, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है. गौरतलब है कि अक्टूबर में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलों की बारिश की थी. इसके बाद से इजराइल तिलमिला गया है और उसने बदला लेने का फैसला कर लिया है. कुछ दिन पहले इजराइल के प्रधानमंत्री ने इसे लेकर एक बैठक की थी, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने को लेकर चर्चा हुई थी.

ईरान इंटरनेशनल ने ईरान के सुप्रीम काउंसिल ऑफ साइबरस्पेस के पूर्व सचिव फिरोजाबादी के हवाले से कहा कि ईरान सरकार की तीनों शाखाओं, न्यायपालिका, विधायिका और कार्यकारी शाखा पर बड़ा साइबर हमला हुआ है। यहां से बड़ी मात्रा में जानकारी चोरी हुई है. इन हमलों में परमाणु स्थलों के साथ-साथ ईंधन वितरण, नगरपालिका नेटवर्क, परिवहन नेटवर्क, बंदरगाह और अन्य नेटवर्क को निशाना बनाया गया है। यह देश भर में विभिन्न क्षेत्रों की एक लंबी सूची का हिस्सा है जिन पर हमला हो रहा है।

यह साइबर हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका ने इजराइल पर कई प्रतिबंध लगा दिए हैं. पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल सेक्टर पर लगाए गए प्रतिबंध ईरान के इजराइल पर मिसाइल हमले के बाद लगाए गए हैं. अमेरिका का यह कदम ईरान को उसके मिसाइल कार्यक्रमों के लिए सरकारी सहायता पर प्रतिबंध का हिस्सा है।

इससेपहले ईरान ने कहा था कि अगर उसका कट्टर दुश्मन इजरायल हमला करता है तो वह अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। इस्लामिक रिपब्लिकनेअपने दो करीबी सहयोगियों,हमास नेता इस्माइल हनिया और हिजबुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह के साथ मिलकर एक ईरानी जनरल कीहत्याके प्रतिशोध में1अक्टूबर को इज़राइल पर मिसाइल हमला किया।

अमेरिका का बड़ा कदमः इजराइल की सुरक्षा के लिए ईरान के खिलाफ लगाए नए प्रतिबंध

वाशिंगटनः अमेरिका ने इजराइल पर ईरान द्वारा एक अक्टूबर को करीब 180 मिसाइलें दागे जाने के जवाब में शुक्रवार को उसके (ईरान के) ऊर्जा क्षेत्र पर नयी पाबंदियों की घोषणा की। ईरान ने कहा था कि इजराइल ने हाल के सप्ताह में लेबनान में हिजबुल्ला पर जो एक के बाद एक भीषण हमले किये, उसी के जवाब में उसने उसपर मिसाइलें दागीं। हिजबुल्ला को ईरान का समर्थन प्राप्त है। हिजबुल्ला तब से इजराइल पर रॉकेट दाग रहा है जब गाजा में लड़ाई शुरू हुई थी। अमेरिका ने शुक्रवार को जिन पाबंदियों की घोषणा की है उनमें ईरान के तथाकथित जहाजों के 'गुप्त बेड़े' तथा संबंधित कंपनियों पर प्रतिबंध शामिल है।

ये जहाज और कंपनियां संयुक्त अरब अमीरात, लाइबेरिया, हांगकांग और अन्य भूभागों में फैली हैं तथा वे कथित रूप से एशिया में खरीददारों के वास्ते ईरानी तेल की ढुलाई में लगी हैं। इसके अलावा अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरान से पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री और ढुलाई का इंतजाम करने के आरोप में सूरीनाम, भारत, मलेशिया और हांगकांग स्थित कंपनियों का एक नेटवर्क भी नामित किया है। वर्तमान अमेरिकी कानून ईरान के ऊर्जा क्षेत्र के साथ-साथ ईरानी तेल खरीदने, बेचने और ढुलाई करने वाली विदेशी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है। लेकिन ऊर्जा प्रतिबंध अक्सर एक नाजुक मुद्दा रहा है क्योंकि आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाने से उन वैश्विक वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं जिनकी अमेरिका और उसके सहयोगियों को ज़रूरत है।

अमेरिका ने इजराइल पर ईरान द्वारा एक अक्टूबर को करीब 180 मिसाइलें दागे जाने के जवाब में शुक्रवार को उसके (ईरान के) ऊर्जा क्षेत्र पर नयी पाबंदियों की घोषणा की..हिजबुल्ला ने नए कमांडर किए नियुक्त, कहा- इजराइल के अंदरूनी इलाकों में तेज करेंगे हमले, इजराइली हो.

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि नए प्रतिबंध 'ईरान को उन वित्तीय संसाधनों से और वंचित करेंगे जिसका उपयोग वह अपने मिसाइल कार्यक्रमों के वास्ते तथा आतंकवादी संगठनों का सहयोग करने के लिए करता है क्योंकियेआतंकवादी संगठन अमेरिका, उसके मित्रों एवं सहयोगियों के लिए खतरा पैदा करते हैं।'' इन दंडात्मक कदमों का लक्ष्यउन्हें (ईरानियों या ईरान समर्थित लोगों को) अमेरिकी वित्तीय तंत्र का इस्तेमाल करने तथा अमेरिकी नागरिकों को उनके साथ कारोबारी संबंध बनाने से रोकना है।

प्याज-टमाटर बिगाड़ सकते हैं बजट, दो महीने बाद फिर पांच फीसदी के ऊपर पहुंच सकती है खुदरा महंगाई

नई दिल्ली : सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त के मुकाबले सितंबर में यानी एक महीने में खुदरा महंगाई में 1.38 फीसदी बढ़ सकती है।?खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई दर भी 2.3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 8 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है।

खाने-पीने की वस्तुओं और खासकर प्याज-टमाटर की कीमतों में तेज उछाल से खुदरा महंगाई सितंबर, 2024 में बढ़कर दो महीने बाद फिर आरबीआई के 4 फीसदी के दायरे बाहर निकलकर 5.03 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है। इससे पहले जून में खुदरा महंगाई 5.08 फीसदी रही थी, जबकि जुलाई और अगस्त में यह घटकर क्रमशः 3.60 फीसदी एवं 3.65 फीसदी रही थी।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त के मुकाबले सितंबर में यानी एक महीने में खुदरा महंगाई में 1.38 फीसदी बढ़ सकती है।?खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई दर भी 2.3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 8 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है। अगस्त में खाद्य महंगाई 5.7 फीसदी रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर, 2023 से जून, 2024 के बीच सब्जियों की महंगाई दर 27-30 फीसदी के दायरे में बनी हुई थी। इस साल जुलाई और अगस्त में यह घटकर क्रमशः 6.8 फीसदी और 10.7 फीसदी रह गई। इससे इन दोनों महीनों में खुदरा महंगाई में गिरावट देखने को मिली थी। सरकार 14 अक्तूबर को सितंबर के लिए खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी कर सकती है।

सीएमआईई के मुताबिक, जून से लगातार बढ़ रहे प्याज के दाम सितंबर में13.4फीसदी और बढ़ गए हैं। इस दौरान खुदरा बाजार में प्याज की कीमत36 रुपये से बढ़कर 51 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पहुंच गई है। ह उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीसीए) की ओर से जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि टमाटर की कीमतों में थोड़ी गिरावट देखने को मिली थी, लेकिन सितंबर के पहले पखवाड़े की तुलना में दूसरे में यह 10 फीसदी से अधिक महंगा हो गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा महंगाई में 1.2 फीसदी का योगदान देने वाली सब्जियों की कीमतों में सितंबर में मामूली कमी आने की उम्मीद है। कुछ सब्जियों के दाम घटे हैं। आलू की खुदरा कीमत कम हुई है। बैंगन, गोभी और भिंडी जैसी सब्जियों की मंडी कीमतों में भी सात फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, प्याज और टमाटर की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से अन्य सब्जियों के दाम में गिरावट का असर कम हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, खरीफ की अच्छी फसल के कारण दालों की महंगाई घटने की उम्मीद है। इसकी महंगाई दर सितंबर में पिछले महीने के 13.6 फीसदी से घटकर 9.5 फीसदी रह सकती है। अनाज, मांस, फल, मसाले और चीनी पर महंगाई का दबाव कम हुआ है। तेल-वसा की महंगाई दर बढ़ सकती है।

तुरंत गांव छोड़ें और वापस न आएं...', इजरायल ने लेबनान के 22 गांवों के लोगों को दी चेतावनी

लेबनान,2 अक्टूबर

इज़रायली सैन्य आदेश लेबनान में निकासीः इज़रायली सेना ने दक्षिण लेबनान के 22 और गांवों के निवासियों को अवली नदी के उत्तर के क्षेत्र में जाने का आदेश दिया है। सेना के एक बयान में यह जानकारी दी गयी है. इज़रायली सेना ने दक्षिणी लेबनान के निवासियों को चेतावनी दी है कि वे अपने घरों को न लौटें, क्योंकि सेना हिज़्बुल्लाह के ख़िलाफ़ कार्रवाई कर रही है।

सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने कहा, 'आपके गांवों में या उसके आसपास हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। कृपया अपनी सुरक्षा के लिए अपने घर न लौटें। अगली सूचना तक दक्षिण की ओर न आएं। जो कोई भी दक्षिण की ओर आएगा वह अपनी जान जोखिम में डाल सकता है।'

एक अलग पोस्ट में, आद्राई ने दक्षिणी लेबनान में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और चिकित्सा टीमों से एम्बुलेंस का उपयोग न करने की अपील की। अद्राई ने कहा, 'हिजबुल्लाह के लोग इस इलाके में एंबुलेंस का इस्तेमाल कर रहे हैं. हम मेडिकल टीमों से अपील करते हैं कि वे हिजबुल्लाह के सदस्यों के संपर्क में न आएं और उनका समर्थन न करें।'

इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने कहा, 'आईडीएफ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सशस्त्र कर्मियों को ले जाने वाले किसी भी वाहन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, चाहे उनका प्रकार कुछ भी हो।' यह भी पढ़ेंः युद्ध में रूस की एंट्री, इजराइल को धमकी! सार्वजनिक रूप से ईरान का समर्थन किया! टेंशन में अमेरिका हमास के ख़िलाफ़ इसराइल का एक और हमला

इजराइल ने लेबनान में जमीनी ऑपरेशन की तैयारी कर ली है. इस बीच खबर है कि गाजा में इजरायली सेना के हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए हैं. हमास द्वारा संचालित नागरिक सुरक्षा एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि हवाई हमला स्थानीय समयानुसार रात 9:40 बजे हुआ। तब मरने वालों की संख्या 12 थी, जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे।

उत्तरी गाजा में नागरिक सुरक्षा एजेंसी के निदेशक अहमद अल-खलौत ने कहा कि अलग-अलग हमलों में 18 लोग मारे गए हैं। यह हमला आठ अलग-अलग स्कूलों पर किया गया जहां शरणार्थियों के लिए शिविर बनाए गए थे।

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स को मिला देश के 'महारत्न' का दर्जा,

नई दिल्ली। महारत्न का दर्जा एचएएल की परिचालन स्वतंत्रतता और वित्तीय शक्तियों को और बढ़ाएगा, जिससे भविष्य में कई अच्छी विकास परियोजनाओं की संभावना होगी। अब एचएएल परियोजनाओं में अपनी संपत्ति का 15 फीसदी तक निवेश कर सकता है।

केंद्र सरकार ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को महारत्न का दर्जा दिया है। इसके साथ ही यह मुकाम हासिल करने वाले यह 14वां केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) बन गया है। इससे कंपनी को अपने फैसले लेने और अधिक आजादी मिल सकेगी। यह जानकारी सार्वजनिक उद्यम विभाग ने शनिवार को सोशल मीडिया पर दी।

महारत्न का दर्जा एचएएल की परिचालन स्वतंत्रतता और वित्तीय शक्तियों को और बढ़ाएगा, जिससे भविष्य में कई अच्छी विकास परियोजनाओं की संभावना होगी। अब एचएएल परियोजनाओं में अपनी संपत्ति का 15 फीसदी तक निवेश कर सकता है और सरकार की मंजूरी के बिना विदेशी उद्यमों में 5,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकता है।

सार्वजनिक उद्यम विभाग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वित्त मंत्री ने एचएएल को 14वां महारत्न सीपीएसई के रूप में अपग्रेड करने की मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव की सिफारिश पहले वित्त सचिव की अध्यक्षता वाली अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) और कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति ने की थी। एचएएल के अलावा 13 महारत्न एनटीपीसी लिमिटेड, तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी), भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (एसएआईएल), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल), भारतीय तेल निगम लिमिटेड (आईओसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम, कोल इंडिया लिमिटेड, गेल इंडिया लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड (बीपीसीएल), पावर ग्रिड निगम, पावर वित्तीय निगम, ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड और ऑइल इंडिया लिमिटेड शामिल हैं।

एचएएल एक सरकारी कंपनी है, जो रक्षा उत्पादन से जुड़ी है। इसका सालाना कारोबार 28,162 करोड़ रुपये है। पिछले साल इसका शुद्ध लाभ 7,595 करोड़ रुपये रहा। एचएएल विमानों और हेलिकॉप्टर्स के लिए जरूरी इंजन, संचार उपकरण, नेविगेशन उपकरण, डिस्प्ले प्रणाली, हाइड्रोलिक प्रणाली, इलेक्ट्रिक उपकरण आदि का निर्माण करता है।

हाथ बांधे, डंडे से बुरी तरह पीटा... इतने से भी मन नहीं भरा तो प्राइवेट पार्ट्स में पेट्रोल डाला

मैनपुरी : मैनपुरी के कुसमरा कस्बा के गांव परशुराम में पशु चोरी के आरोप में दो युवकों को तालिबानी सजा दी गई। गांव के कुछ लोगों ने युवकों के हाथ बांध दिए। पहले डंडे से पिटाई की गई। नग्न करने के बाद प्राइवेट पार्ट्स में पेट्रोल डाला गया। इस घटना से भयभीत युवक और उनके परिजन चुप्पी साधे हुए हैं। रसूखदारों के खिलाफ शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

मामला थाना किशनी क्षेत्र के गांव परशुरामपुर से जुड़ा हुआ है। गांव निवासी एक व्यक्ति का बकरा चोरी हो गया। बकरा चोरी के शक में गांव के ही दो युवकों को पकड़ने के बाद पशुपालक और सहयोगी खेत पर ले गए। दोनों के हाथ बांधने के बाद पहले तो उनकी थप्पड़ और डंडे से पिटाई की। युवक चोरी करने के अपराध से इन्कार करते रहे। इसके बाद पशु पालक व सहयोगियों ने अमानवीयता की सारी हदें पार कर दीं।

युवकों को पीट-पीट कर गिरा लिया गया और कपड़े उतारने के बाद प्राइवेट पार्ट्स में पेट्रोल डाल दिया। तड़प रहे दोनों युवक छोड़ देने के लिए चीखते रहे लेकिन वहां उनकी सुनने वाला कोई नहीं था। दोनों युवकों को तड़पता हुआ छोड़ कर जाते समय आरोपी धमकी दे गए कि अगर शिकायत करने की हिम्मत की तो अंजाम इससे भी बुरा होगा। इस घटना के बाद सहमे हुए दोनों युवक और उनके परिजन शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। वहीं ग्रामीण भी रसूखदारों के आगे कुछ कहने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं।

गांव परशुरामपुर में दो युवकों पर चोरी के आरोप के बाद हुई घटना के बाद ग्रामीणों ने चुप्पी साध ली है। आरोपी रसूखदार हैं जिस वजह से कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। दोनों युवक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। घटना के बाद छाई खामोशी के बीच पुलिस जानकारी जुटाने में लगी है।

चीन का मुकाबला करने के लिए भारत बनाएगा परमाणु पनडुब्बियां, खरीदेगा अमेरिकी ड्रोन

भारत ने अपनी सुरक्षा और सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने दो परमाणु शक्ति संचालित पनडुब्बियां बनाने और 31 अमेरिकी ड्रोन खरीदने का फैसला किया है। इस योजना की कुल लागत लगभग 35,000 करोड़ रुपये (4.2 अरब डॉलर) आंकी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य चीन की क्षेत्रीय सैन्य ताकत का सामना करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने बुधवार को इस महत्वपूर्ण निर्णय पर मुहर लगाई। हालांकि, अधिकारियों ने इस फैसले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए अपनी पहचान गुप्त रखी है।

भारत ने अपनी सुरक्षा और सैन्य ताकत को बढ़ाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने दो परमाणु शक्ति संचालित पनडुब्बियां बनाने और 31 अमेरिकी ड्रोन खरीदने का फैसला किया है.

भारत में यह पहली बार होगा जब स्थानीय शिपयार्ड में परमाणु संचालित पनडुब्बियों का निर्माण होगा। ये पनडुब्बियां पारंपरिक हथियारों से लैस होंगी। परमाणु पनडुब्बियां डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों से कई गुना बेहतर होती हैं, क्योंकि वे अधिक तेज़ होती हैं, लंबे समय तक पानी में रह सकती हैं और इनका आकार बड़ा होता है, जिससे अधिक हथियार और आपूर्ति ले जाई जा सकती है। परमाणु पनडुब्बी तकनीक अब तक केवल कुछ ही देशों, जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और रूस के पास थीÿळख्ळए साझेदारी के तहत ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका भी ऐसी पनडुब्बियां बना रहे हैं।

इन पनडुब्बियों और ड्रोन के शामिल होने से भारत की भारतीय महासागर क्षेत्र में निगरानी और सुरक्षा क्षमताएं काफी मजबूत होंगी। भारत, क्वाड (चौकड़ी) समूह का हिस्सा है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी शामिल हैं। यह समूह चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए कार्य करता है। इसके अलावा, भारत 31 अमेरिकी ३ैं-9ँ ड्रोन भी खरीदेगा, जो जनरल एटॉमिक्स कंपनी द्वारा निर्मित हैं। यह ड्रोन लगभग 48 घंटे तक उड़ान भर सकता है और 1,700 किलोग्राम तक का भार उठाने की क्षमता रखता है। इन ड्रोन से भारतीय नौसेना को दक्षिणी भारतीय महासागर में चीनी युद्धपोतों पर नजर रखने और भारतीय सेना को भारत-पाकिस्तान सीमा पर लक्ष्यों को निशाना बनाने में मदद मिलेगी।

विकास सप्ताहः23वर्ष पहले गुजरातमें विश्व विद्यालयों की संख्या21थी, जो आज बढ़ कर 108 हुई

गांधीनगर 12अक्टूबर

23 वर्ष पहले श्री नरेन्द्र मोदी ने जब गुजरात के 14वें मख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब गुजरात में शिक्षा का स्तर काफी निम्न था। उसी समय श्री मोदी ने संकल्प किया था कि वे गुजरात में शिक्षा क्षेत्र की स्थिति में सुधार लाने के सभी प्रयास करेंगे और राज्य के अंतिम छोर के वर्ग तक शिक्षा को सरल व सुलभ बनाएंगे। इस संकल्प को साकार करने के लिए उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में दृढ़तापूर्वक कई पहलें व योजनाएँ शुरू कीं और राज्य में शिक्षा का दायरा बढ़ाने के भगीरथ प्रयास शुरू किए। राज्य में प्राथमिक शिक्षा को रफ्तार देने तथा विद्यालयों में विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2003 में शाला प्रवेशोत्सव तथा कन्या केळवणी (शिक्षा) रथयात्रा कार्यक्रम शुरू किए। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में 21वाँ शाला प्रवेशोत्सव आयोजित हुआ।

23 वर्ष पहले शिक्षा क्षेत्र में श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई तपस्या के सकारात्मक परिणाम हम आज देख सकते हैं। श्री मोदी के प्रयासों के चलते आज गुजरात में ही उच्च एवं तकनीकी शिक्षा देने वाले महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। 23 वर्ष पहले गुजरात में केवल 21 विश्वविद्यालय थे, जबकि आज राज्य में 108 विश्वविद्यालय कार्यरत हैं, जो विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान कर रहे हैं। गुजरात आज सेक्टर-स्पेसिफिक यूनिवर्सिटियों का हब बना है। राज्य के सरकारी विद्यालय भी आज स्मार्ट व डिजिटल बने हैं। दो दशक पहले ब्लैकबोर्ड पर पढ़ने वाले विद्यार्थी आज टेक्नोलॉजी की सहायता से स्मार्ट बोर्ड तथा इंटरेक्टिव स्मार्ट क्लासेस का उपयोग कर रहे हैं। शिक्षा क्षेत्र की ये उपलब्धियाँ गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व को आभारी है।

श्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव शिक्षा के महत्व पर बल दिया है। उन्होंने 23 वर्ष पूर्व जब गुजरात का शासन दायित्व संभाला, तब राज्य में शिक्षा की स्थिति बहुत निम्न स्तरीय थी। प्राथमिक शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने तथा अधिक से अधिक बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2003 में शाला प्रवेशोत्सव तथा कन्या केळवणी रथयात्रा कार्यक्रम प्रारंभ कराया। इस कार्यक्रम के सकारात्मक परिणाम ये आए कि आज राज्य के लाखों बच्चे शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के जरिये विद्यालयों में प्रवेश प्राप्त करते हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य में 21वाँ शाला प्रवेशोत्सव सफलतापूर्वक आयोजित हुआ, जिसके माध्यम से लगभग 16 लाख बच्चों ने प्राथमिक शिक्षा में प्रवेश प्राप्त किया।

शाला प्रवेशोत्सव के अतिरिक्त; प्राथमिक शिक्षा को वेग देने के लिए श्री नरेन्द्र मोदी ने गुणोत्सव, मध्याह्न भोजन योजना, विद्यादीप योजना आदि विभिन्न शैक्षणिक योजनाएँ लागू कीं। शिक्षा क्षेत्र में लागू हुईं इन पहलों व योजनाओं के फलस्वरूप राज्य में वर्ष 2002 में जहाँ कक्षा 1 से 8 का स्कूल ड्रॉपआउट रेशियो रेट 37.55 प्रतिशत था, वहीं आज इसमें उल्लेखनीय कमीआई है। ज्ञानकुंज प्रोजेक्ट अंतर्गत गुजरात के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में क्लासरूम्स में टेक्नोलॉजी की सहायता से स्मार्ट बोर्ड के साथ इंटरेक्टिव स्मार्ट क्लास बनाए गए हैं। भारत का प्रथम रीयल-टाइम, ऑनलाइन, सर्वग्राही विद्यालय शिक्षा डैशबोर्ड 'विद्या समीक्षा केन्द्र' गुजरात में कार्यरत*, गुजरात में शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए 23 वर्ष पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई 'शाला प्रवेशोत्सव' कार्यक्रम की परंपरा आज वर्ष 2024 में भी सफलतापूर्वक बरकरार *,तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शिक्षा क्षेत्र में निरंतर प्रयासों के कारण आज गुजरात बना है सेक्टर-स्पेसिफिक यूनिवर्सिटियों का हब

23 वर्ष पहले गुजरात के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए देश के अन्य राज्यों या फिर विदेशों में नजर दौड़ानी पड़ती थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या को हल करने के लिए राज्य में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा देने वाले संस्थान स्थापित करने पर ध्यान केन्द्रित किया। पिछले 23 वर्षों में राज्य में महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा तकनीकी शिक्षा प्रदाता संस्थानों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है। 23 वर्ष पहले जहाँ राज्य में केवल 21 यूनिवर्सिटियाँ कार्यरत थीं, वहीं आज 108 यूनिवर्सिटियाँ कार्यरत हैं। राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी 23 वर्ष पहले की 10 से बढ़ कर आज 40 हो गई है। इसके अतिरिक्त; स्टूडेंट स्टार्टअप तथा इनोवेशन पॉलिसी द्वारा गुजरात के युवा प्रतिभाओं के इनोवेशन को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे राज्य के युवाओं को स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहन मिला है। भारत सरकार की स्टार्टअप रैंकिंग के अनुसार पिछले 4 वर्षों से गुजरात देश में लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में पहले स्थान पर है।

गुजरात आज सेक्टर-स्पेसिफिक यूनिवर्सिटियों का हब बना है। राज्य में आज चिल्ड्रन यूनिवर्सिटी, रक्षाशक्ति यूनिवर्सिटी, नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू), बायोटेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी, रेलवे यूनिवर्सिटी (वडोदरा), गुजरात मैरीटाइम यूनिवर्सिटी, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (जीटीयू), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन (आईआईटीई), गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) आदि संस्थान राज्य के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।'विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से गुजरात में मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना, शोध योजना, मुख्यमंत्री कन्या केळवणी निधि योजना आदि कार्यरत हैं।

राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों के प्रदर्शन पर निगरानी रखने के लिए देश का पहला एजुकेशनल कमांड एंड कंट्रोल सेंटर 'विद्या समीक्षा केन्द्र' गुजरात में शुरू किया गया है। विद्या समीक्षा केन्द्रभारत का प्रथम रीयल-टाइम, ऑनलाइन, सर्वग्राही स्कूली शिक्षा डैशबोर्ड है। विद्या समीक्षा केन्द्र को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंट (एआई), मशीन लर्निंग, डेटा एनालिसिस आदि जैसी आधुनिक सुविधाओं से सज्ज किया गया है। विद्या समीक्षा केन्द्र में राज्य, जिला, तहसील, क्लस्टर, विद्यालय, ग्रेड, विषय तथा विद्यार्थी स्तर पर संबंधित विश्लेषण तथा इनसाइट्स किया जाता है। विद्या समीक्षा केन्द्र कक्षा 3 से 12 तक के सभी विषयों के सभी लर्निंग आउटकम्स में उपलब्धियों का विभिन्न राज्यवार विश्लेषण देता है। वर्ल्ड बैंक, ओईसीडी, ब्रिटिश उप उच्चायुक्त, यूनिसेफ तथा कैम्ब्रिज जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधिमंडलों ने विद्या समीक्षा केन्द्र कादौरा किया है और इसकी प्रशंसा भी की है। शिक्षा क्षेत्र में यह आधुनिक केन्द्र समग्र देश में बड़े परिवर्तन ला सकता है।

मेहसाणा में एक निजी कंपनी में चट्टान गिरने से 9 मजदूरों की मौत, प्रभावित परिवारों को छह लाख की मदद का ऐलान.

मेहसाणा,12 अक्टूबर

मेहसाणा से एक बड़े हादसे की खबर आ रही है. कादी के जासलपुर में चट्टान गिरने से 10 मजदूर दब गए, जिनमें से नौ के शव मिल गए हैं. इस बीच एक मजदूर को जिंदा बचा लिया गया है, जिसका फिलहाल इलाज चल रहा है. इस घटना में राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये दिये हैं. 50 हजार की आर्थिक सहायता की घोषणा की गई है. वहीं, केंद्र सरकार ने मृतकों के परिजनों को 20 हजार रुपये दिए हैं. दो लाख और रु. 50 हजार की मदद का ऐलान किया गया है.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, कादी तालुका के जासलपुर में एक निजी कंपनी में काम करने के दौरान मिट्टी की चट्टान ढह गई। इस हादसे में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया, जहां 10 मजदूर दब गए. घटना की जानकारी होने पर अधिकारियों का बेड़ा एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंच गया. कड़ी पुलिस के मुताबिक, फैक्ट्री में 20 फीट नीचे सेफ्टी टैंक बनाने का काम चल रहा था. इसी दौरान ईंट की दीवार गिरने से मजदूर दब गये. इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर को जिंदा बचा लिया गया.

एक मजदूर का कहना है, '20 फीट गहरे गड्ढे को समतल करने का काम चल रहा था। और बगल में जेसीबी से काम चल रहा था. इसके कारण मिट्टी धंसने से लोग दब गए। 'मिट्टी ढहने के साथ ही बगल की ईंट की दीवार भी ढह गई।' इस घटना में मालिक की लापरवाही सामने आई है. जब ये ऑपरेशन चल रहा था तो मजदूरों ने कहा, 'ये हिस्सा खतरनाक है, बड़ा हादसा हो सकता है. लेकिन उनकी बातों को अनसुना कर दिया गया और काम आगे बढ़ गया. आख़िरकार नई फ़ैक्टरी की बिल्डिंग की दीवार ढह गई.

इस घटना में मैनेजर और सुपरवाइजर कौशिक परमार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. गौरतलब है कि सुरक्षा उपकरणों की कमी भी सामने आई है. इस घटना में कौन जिम्मेदार है इसकी जांच चल रही है. पुलिस के मुताबिक इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि मालिक भाग न जाएं. दशहरे के दिन जब ये हादसा हुआ तो मेहसाणा पंथक शोक में डूबा हुआ है.

मेहसाणा हादसे को लेकर पीएमओ ने ट्वीट किया कि गुजरात के मेहसाणा के पास चट्टान गिरने की घटना बेहद दुखद है. जिन लोगों ने अपने परिवार खोए हैं उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। भगवान उन्हें यह दर्द सहने की शक्ति दे.' साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इसके अलावा उन्होंने मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2 लाख की मदद की घोषणा की. और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की है.

मृतकों के नाम :राजुभाई मेड़ा, रामपुरा ,मुकेश कमल, खमसान , आशीष, कालीमहुडी ,दीर्घायु, कलिमहुडी , महेंद्र रमेश बरैया, राजस्थान , जगन्नाथ रमेश बरैया , अरविन्द शम्भू, चर्मचार-दाहोद

कैसे घटी घटनाःजानकारी के मुताबिक, घटना कादी के जासलपुर स्थित एक निजी स्टील कंपनी में हुई. वहां जब कंपनी में निर्माण कार्य चल रहा था तो अचानक मिट्टी की चट्टान गिर गई और मजदूरों के दब जाने से अफरा-तफरी मच गई. रिपोर्ट के मुताबिक इसमें कुल 10 मजदूर दब गए. उनमें से नौ के शव बरामद

एक ओर जहां राज्य में लोग बेरोजगार हैं और सरकार रिक्त पदों को नहीं भर रही है-हाईकोर्ट की गुजरात सरकार को फटकार

अहमदाबाद,12 अक्टूबर

गुजरात राज्य के विभिन्न जिलों में उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में रिक्त पदों के साथ-साथ गुजरात राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पदों के संबंध में एक याचिका में, गुजरात उच्च न्यायालय ने सरकार को विडंबनापूर्ण चुनौती दी और कहा कि यदि जिला फोरम रिक्तियों के कारणकाम नहीं कर रहा है तो संरचना काक्या मतलब है.? एक तरफ राज्य में लोग बेरोजगार हैं और दूसरी तरफ सरकार रिक्त पदों को नहीं भर रही है.

इससे पहले कोर्ट को बताया गया था कि राज्य जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में अध्यक्ष के 38 में से 20 पद और न्यायिक सदस्य के 76 में से 47 पद खाली हैं। इस बीच आज उपभोक्ता मामले विभाग के हलफनामे के जरिए कोर्ट को बताया गया कि असिस्टेंट डायरेक्टर के 14 पद प्रमोशन से भरे जाने हैं.

जब एक पद सीधी भर्ती द्वारा भरा जाना हो। हालांकि, पिछले दो साल में ये पद प्रमोशन या सीधी भर्ती से नहीं भरे जाने पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जताई थी. हाई कोर्ट ने जीपीएससी को भी एक पक्ष बनाया क्योंकि वह सीधी भर्ती कर रहा था।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को तगड़ा झटका देते हुए कहा कि सरकार को वास्तव में भर्ती के लिए एक कैलेंडर बनाना चाहिए. अधिकारी इस मामले में ढिलाई नहीं बरत सकते. यदि जिला फोरम में कोई आशुलिपिक, लिपिक या सहायक निदेशक नहीं होगा तो जिला फोरम कैसे काम करेगा..?

अगर जिला फोरम काम नहीं कर सकता तो उसके गठन का मतलब ही क्या है..? हर बार हाईकोर्ट का आदेश आने के बाद ही अधिकारी सारे काम करते हैं। भर्ती के लिए सरकारी प्रयास नहीं, वादा चाहिए। प्रमोशन नहीं तो सीधी भर्ती कैसे होगी..? हाईकोर्ट ने संगठन की कमी पर भी सवाल उठाए और उपभोक्ता मामले विभाग के प्रधान सचिव से संगठन की कमी और भर्ती में देरी को लेकर जवाब मांगा और मामले की आगे की सुनवाई दिवाली के बाद रखी है.

अहमदाबाद नगर पालिका को 4 महीने में नल, नाली, सड़क, कूड़े की चार लाख शिकायतें मिलीं

अहमदाबाद,12 अक्टूबर

अहमदाबाद में जल निकासी की शिकायतें बढ़ीं: अहमदाबाद नगर निगम ने वर्ष 2024-24 के लिए 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक बजट को मंजूरी दे दी है. नगर निगम सरकार और हुक्मरान समय-समय पर स्मार्ट सिटी का गुलबंग गुनगुनाते रहे हैं। हालांकि, चार महीने में नल, सीवर और सड़क की चार लाख शिकायतें ऑनलाइन मिलीं। इन शिकायतों में सात जोन में ट्रेनिंग से जुड़ी 1.35 लाख शिकायतें हैं. सात जोन में चार माह में चार लाख शिकायतें ऑनलाइन आईं तो ऑफलाइन शिकायतों की संख्या के बारे में सिस्टम में कोई बोलने को तैयार नहीं है।

अहमदाबाद नगर निगम द्वारा हर साल नल, सीवर और सड़क सुविधाएं उपलब्ध कराने पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। इसके बावजूद नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में नगर निगम के अधिकारियों की नाकामी बार-बार साबित हो रही है.

50 साल पुरानी पानी और जल निकासी लाइन शहर के मध्य क्षेत्र में स्थित है। वर्षों पुरानी इन लाइनों को बदलने के लिए सेंट्रल जोन के छह वार्डों के लिए टेंडर सिस्टम से 150 करोड़ रुपए से ज्यादा के टेंडर किए गए। हालाँकि, सिस्टम को फिर से टेंडर करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि किसी भी ठेकेदार ने जल निकासी और पानी की लाइनों को बदलने में रुचि नहीं दिखाई।

चूंकि जल प्रदूषण की शिकायतों से निपटने की अनुमति मांगने वाली फाइलें अक्सर नगर आयुक्त के समक्ष रखी जाती हैं, नगर आयुक्त ने कोट क्षेत्र और मध्य क्षेत्र के अन्य वार्ड क्षेत्रों में पानी और जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए ठोस कार्रवाई करने की भी सलाह दी। चूंकि वह सुझाव अब भी पूरा नहीं हो सका, इसलिए कोट क्षेत्र समेत अन्य इलाकों में जल प्रदूषण और जल निकासी की शिकायतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है.

मध्य क्षेत्र नगर परिषद द्वारा दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं के संबंध में नागरिक 155303 नंबर पर ऑनलाइन शिकायत करते हैं। 1 जून से 7 अक्टूबर 2024 तक चार महीने की अवधि के दौरान 7 क्षेत्रों के निवासियों द्वारा 4 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। सबसे ज्यादा शिकायत ड्रेनेज लाइन चोकअप की हुई। इंजीनियर विभाग के सात जोन में कुल 2.11 लाख शिकायतें दर्ज की गईं।

विपक्षीनेताद्वारा लगाए गए आरोप के मुताबिक, नागरिकों द्वारा की गई प्राथमिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों में ज्यादातर शिकायतें बिना निपटाए हीबंदकरदीजाती हैं.बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी शहरवासियों को सहूलियत मिलने की बजाय परेशानी बढ़ती जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने विजया दशमी के पावन पर्व पर शस्त्र पूजन किया

गांधीनगर 12अक्टूबर, 2024

:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को विजया दशमी के पावन पर्व पर शस्त्र पूजन कर शस्त्र एवं शास्त्र के महात्म्य को उजागर किया। आसुरी शक्ति पर दैवी शक्ति की विजय के प्रतीक समान विजया दशमी-दशहरा पर्वपर शस्त्र पूजन की परंपरा भारतीय संस्कृति में सदियों से चली आ रही है।

श्री पटेल ने इस परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री आवास परिसर के प्रांगण में अपने सुरक्षा कर्मचारियों के साथ शास्त्रोक्त विधि से शस्त्रों का पूजन किया। उन्होंने सुरक्षा कर्मचारियों को विजया दशमी पर्व की शुभकामनाएँ भी दीं।

मुख्यमंत्री ने सुरक्षा कर्मचारियों को प्रेरणा देते हुए कर्तव्य भावना के साथ कर्म बंधन के जुड़े होने के विषय में विस्तार से समझ दी।

उन्होंने कहा कि रक्षा-सुरक्षा के दायित्व के निर्वहन के साथ-साथ संवेदना, करुणा एवं सत्कर्मों से मोक्ष प्राप्ति का विचार भी रख कर कर्तव्यरत रहें। यही सच्चा कर्मयोग तथा सच्ची कर्तव्यनिष्ठा भावना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले सुरक्षा कर्मचारियों के प्रमुख पुलिस अधीक्षक श्री चिंतन तैरैया ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। शस्त्र पूजन में मुख्यमंत्री सुरक्षा व्यवस्था के पुलिस उपाधीक्षकों, पुलिस निरीक्षकों, पुलिस उप निरीक्षकों, कमांडो तथा वाहन चालकोंआदिनेभीभागलिया। मुख्यमंत्री आवास पर विजया दशमी पर्व पर शस्त्रपूजनकी यह परंपरा वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरातके मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल केदौरान आरंभ कराई है।

फाफड़ा-जलेबी के दाम, सूखे मेवे भी सस्ते, फरसाण की दुकानों पर दिखी भारी भीड़

अहमदाबाद,12 अक्टूबर

आज पूरे देश में असत्य पर सत्य की जीत का दिन यानी दशहरा धूमधाम से मनाया जा रहा है। लोग जलेबी-फाफड़ा खाकर इस त्योहार को मना रहे हैं. शुक्रवार (11 अक्टूबर) को नवरात्रि का आखिरी यानी नौवां दिन था। उस समय गुजराती सुबह-सुबह तक घूमते रहते थे और सीधे जलेबी-फाफड़ा की दुकान पर पहुंच जाते थे. सुबह से ही सभी फरसाण की दुकानों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं।

गुजराती खाने-पीने के शौकीन माने जाते हैं। लोग सुबह से ही जलेबी-फाफड़ा खरीदने के लिए लाइन में खड़े थे. हालांकि, इस साल दशहरे के दिन जलेबी-फाफड़ा की कीमत में काफी बढ़ोतरी देखी गई. 1 किलो फेफड़े की कीमत 500 रुपये और शुद्ध घी में बनी जलेबी की कीमत 600 रुपये और अरंडी के तेल से बनी जलेबी की कीमत 33 रुपये दर्ज की गई है.

इस लिहाज से दुकानदारों को भी आज अच्छी कमाई होती दिख रही है। जिसके बारे में दुकान मालिकों ने कहा कि आज अच्छा माहौल देखने को मिल रहा है. माहौल अच्छा होने से ग्राहक तो आ रहे हैं, लेकिन ऑनलाइन शॉपिंग में पहले जैसी भीड़ नहीं दिख रही है।

गुजराती लोग जलेबी-फाफड़ा खाकर दशहरे के त्योहार का आनंद लेते हैं। जिसके पीछे एक प्राचीन कहानीजुड़ी हुई है। भगवान श्री राम को जलेबी बहुत पसंद थी, इसलिए लोग भगवान श्री राम की रावण पर जीत का जश्न मनाने के लिए जलेबी खाते हैं। हिंदू धर्म में यह भी मान्यता है कि बेसन खाकर व्रत खोलना चाहिए। नवरात्रि के नौ दिनों के व्रत के बाद लोग जलेबी-फाफड़ा खाकर अपना व्रत खोलते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अहमदाबाद के नवा नरोडा में पत्रकारिता महाविद्यालय के भूमिपूजन कार्यक्रम में प्रेरक उपस्थिति

गांधीनगर 12अक्टूबर, 2024

:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद के नवा नरोडा में विश्व संवाद एजुकेशन द्वारा फाउंडेशन संचालित पत्रकारिता महाविद्यालय के भवन के शनिवार को आयोजित भूमिपूजन अवसर पर कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र के भवन का चौथा स्तंभ है। किसी भी भवन के सभी नींव सुदृढ़ होनी आवश्यक हैं। ऐसे में लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की स्थिरता तथा सुदृढ़ता अत्यंत आवश्यक है। लोकतंत्र, राष्ट्र व समाज के सजग प्रहरी के रूप में राष्ट्र निर्माण में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्री पटेल ने पिछले 16 वर्षों से कार्यरत संस्था के विस्तार के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि किसी भी संस्था या समाज के विकास के लिए योजनाबद्ध एवं सातत्यपूर्ण प्रयास जरूरी होते हैं। इसके लिए मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का उदाहरण देते हुए कहा कि आज विजया दशमी पर आरएसएस का 100वें वर्ष में प्रवेश हुआ है, जो सातत्यपूर्ण प्रयासों का ही परिणाम है।

वर्तमान समय में पत्रकारिता के महत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि आज का समय जब ब्रेकिंग का समय है, तब उन्होंने समाचारों में सत्यता एवं सातत्यता के संबंध में सत्य तथा यथार्थ के समन्वय और विवेक पर भी बल दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म (एनआईएमसीजे) के प्रतिभाशाली विद्यार्थी 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' का संकल्प साकार करने में अमूल्य योगदान देंगे।

समारोह में एनआईएमसीजे के प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप जैन ने वर्ष 2007 में स्थापित संस्थान के विकास तथा विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह संस्थान गुजरात विश्वविद्यालय (जीयू) से संलग्न है और संस्थान को इंटर्नल क्वॉलिटी एश्योरेंस सेल (आईक्यूएसी) तथा पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा प्रमाणित किया गया है, जबकि पत्रकारिता विभाग के प्रमुख डॉ. शिरीष काशीकर ने बताया कि आगामी वर्ष से इस नए परिसर में आधुनिक संसाधानों, सुविधाओं और पाठयक्रमों के साथ महाविद्यालय कार्यरत होगा।

इस अवसर पर विधायक श्री अमितभाई शाह व श्री बाबूभाई पटेल, अग्रणी श्री सुरेन्द्रभाई पटेल, श्री गोरधनभाई झडफिया, श्री मुकुंदराव देवभाणकर, विश्व संवाद फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री हरेश ठक्कर, डॉ. भरत पटेल, श्री अश्विन शाह, श्री ब्रिजेश चिनाई, श्री रीतेश सराफ, श्री विजय चोथाईवाले सहित कई महानुभाव उपस्थित रहे।

विकास कार्यों का शुभारंभ, 173 करोड़ रुपये की लागत से 231 परियोजनाओं का लोकार्पण

सूरत : विकास कार्यों का शुभारंभ,173 करोड़ रुपये की लागत से 231 परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्रीनरेंद्रमोदीके नेतृत्व के 23साल पूरे होने के जश्न के तहत पूरे राज्य में विकास सप्ताह मनाया जा रहा है, दशहरे के शुभ अवसर पर सूरत नगर निगम, सूरत जिला प्रशासन और सूरत शहरी विकासप्राधिकरणद्वारा 173.08 करोड़ रुपये के232 विकास कार्यों का शुभारंभ - भूमिपूजन किया गया। संजीवकुमार सभागार-अडाजन- में सूरत जिले के प्रभारी एवं राज्य के वित्त एवं ऊर्जा मंत्री कनुभाई देसाई, केंद्रीय जलविद्युत मंत्री सी.आर. पाटील द्वारा शुभारंभ - भूमिपूजन किया गया।

सूरत नगर निगम के 49.65 करोड़ रुपये के 14 कार्य, सूडा के 24 करोड़ रुपये के 8 कार्य, सड़क एवं भवन विभाग के 85 करोड़ रुपये के 20 कार्य और अन्य विभागों के 14.56 करोड़ रुपये के 189 कार्य, सहित कुल 176 रुपये के 231 कार्य करोड़ों का अनावरण किया गया। वित्त मंत्री कनुभाई देसाई ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकास की राजनीति शुरू कर देश और दुनिया को गौरवान्वित किया है। वर्ष 2009 में नरेंद्र भाई मोदी ने सबसे पहले एक दूरदर्शिता के साथ नवीकरणीय ऊर्जा की नीति बनाई।

जनधन योजना, आयुष्मान योजना जैसी अनेक योजनाओं से गरीबों तक सीधा लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने सभी से वर्ष 2047 में विकसित भारत के निर्माण के लिए संकल्पित होने का अनुरोध किया।

प्रयागराज स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के कारण राजकोट मंडल से गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित

राजकोट, 12 अक्टूबर, 2024

प्रयागराज स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के चलते राजकोट मंडल से होकर जाने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग तथा रूट रिले इंटरलॉकिंग (RRI) को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) में परिवर्तन कार्य के चलते राजकोट मंडल से होकर जाने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

रद्द होनेवाली ट्रेनें: 1) 16 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09525 हापा-नाहरलगुन स्पेशल2)19अक्टूबर, 2024कीट्रेनसंख्या09526 नाहरलगुन-हापा स्पेशल

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली ट्रेनें: 1)17अक्टूबर,2024की ट्रेन संख्या22969ओखा-बनारस सुपरफास्ट एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग वाया जंघई - लखनऊ-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाया जाएगा। 2) 19 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 22970 बनारस-ओखा सुपरफास्ट एक्सप्रेस को परिवर्तित मार्ग वाया कानपुर सेंट्रल-लखनऊ-जंघई के रास्ते चलाया जाएगा।

ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

कलर्स के 'अपोलीना' के कलाकारों अदिति शर्मा और संदीप बसवाना ने अहमदाबाद के 'रंगरात्रि' उत्सव में शिरकत की!

अहमदाबाद 11 अक्टूबर 2024: इस नवरात्रि, अहमदाबाद में एक बार फिर रोशनी से सराबोर उत्सव, लाफ्टर और चणिया चोली के साथ खूब धमाल देखा गया! इस साल के उत्सव में स्टार पावर का एहसास जोड़ते हुए, कलर्स के नए शो, 'अपोलीना-सपनों की ऊंची उड़ान' के लोकप्रिय टीवी कलाकारों अदिति शर्माऔर संदीप बसवाना ने इस समारोह में शिरकत की और गरबा व डांडिया में अपनी कलाका प्रदर्शन किया। इस प्रेरणादायक ड्रामा में अपोलीना के असाधारण सफर को दर्शाया गया है, जो भारत की पहली महिला एस्ट्रोनॉट बनने की इच्छा रखने वाली एक दृढ़ निश्चयी युवती है,और अपने पिता का खोया हुआ सम्मान फिर से हासिल करना चाहती है। उनकी मौजूदगी से उत्सव में एक उत्साहजनक ऊर्जा आ गई,जो शो की महत्वाकांक्षा और दृढ़ता के विषयों को दर्शाती है। यह कहानी 'छूकर आसमान लौटाना है पिता का सम्मान' की भावना के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें अदिति शर्मा ने अपोलीना का किरदार निभाया है और संदीप बसवाना ने उनके पिता गिरधर की भूमिका निभाई है। अपोलीना का सितारों तक का सफर चुनौतियों से भरा है, खासकर जब गिरधर को अन्यायपूर्ण तरीके से गद्दार करार दिया जाता है, जिसका साया उसके सपनों पर भी पड़ताहै।क्या वह गद्दार की बेटी कहलाने के कलंक से ऊपर उठ पाएगी? 'अपोलीना-सपनों की ऊंची उड़ान' काप्रीमियरजल्द ही कलर्स पर होगा।

अहमदाबाद के सफर पर बात करते हुए, अदिति शर्मा कहती हैं, ''नवरात्रि के दौरान अहमदाबाद आने से भारत के उत्साही दिल में कदम रखने जैसा है! यहां की ऊर्जा, रंग और भक्ति सचमुच बेजोड़ हैं। शक्ति का यह उत्सव भारत की पहली महिला एस्ट्रोनॉट बनने का महत्वाकांक्षी सपना देखने वाली युवती अपोलीना के सफर से गहराई से मेल खाता है। जिस तरह नवरात्रि में देवी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाते हैं, उसी तरह हमारा शो हर महिला के भीतर की अजेय भावना को सेलिब्रेट करता है।''

सौराष्ट्र का सबसे बड़ा शेत्रुंजी बांध 59 वर्षों में से 26 वर्षों में अतिप्रवाह स्तर को पार कर गया

पालीताना,12 अक्टूबर

बांध का निर्माण मात्र 10 साल में 714.92 लाख की लागत से हुआ - निर्माण के पहले साल में जलाशय लबालब होने पर मेघराजा ने की तारीफ, 2016 से 2019 तक बांध एक बार भी नहीं छलका.

पालीताणा तालुक के राजस्थली गांवकेपास सौराष्ट्र का सबसे बड़ा शेत्रुंजी बांधअपने निर्माण के बाद से 59 साल के इतिहास में26वर्षों तक ओवरफ्लो हुआ है। जिसमें कई बार एक ही सीजन में बांध के दो से तीन बार ओवरफ्लो होने के मामले सामने आते हैं. शेत्रुंजी बांध लाखों लोगों की पीने और सिंचाई के पानी की जरूरतें पूरी करता है।

मानाजाता है किसौराष्ट्र का सबसे बड़ाबांधआजादी केएक दशक के भीतर ही पानी संग्रहितकरनेकेलिए बनाया गया था,ताकिभावनगर जिले को पीने के पानीकी समस्या और सूखे की स्थिति कासामनान करना पड़े। पालिताना में राजस्थलीके पास शेत्रुंजी बांध का निर्माण वर्ष1955-56 में इस उद्देश्य से किया गयाथा किअमरेली, जूनागढ़ सहित जिले का ऊपरी पानी समुद्र में बहने के बजाय बांध में संग्रहीत किया जाएगा और लोगों को सिंचाई का पानी मिलेगा। पीने और खेती के लिए. 59 गेटों वाले इस बांध का निर्माण 714.92 लाख की लागत से महज 10 साल में पूरा हुआ।

वर्ष1965 में, जब शेत्रुंजी जलाशय एकपरियोजनाके रूप में तैयार हो गया था,तोमेघराजा ने भी पहले वर्ष में हरख बारिश करके जलाशय को इस तरह सेओवरफ्लो कर दिया था जैसे कि इसकाअसर हो गया हो। अगले चार वर्षों तक,शेत्रुंजी बांध कमजोर और अतिप्रवाह स्तर से नीचे रहा। हालाँकि, 1970 और 1971 में शेत्रुंजी बांध लगातार दो वर्षों तक ओवरफ्लो हुआ।

इस प्रकार, भावनगर जिले के लोगों को निर्माण के छह वर्षों के भीतर तीन वर्षों तक बांध के लबालब रहने का आनंद मिला। फिर अगर बांध ओवरफ्लो के वर्ष पर नजर डालें तो 1976, 1977,1979,1980,1982,1983,1988, 1990, 1994, 2002,2005, 2006, 2007, 2008, 2010, 2011, 2013, 2015 और20 20 से 2024 लगातार पांच वर्षों तक जलाशय लबालब रहा। इससे पिछले पांच वर्षों से जिलेवासियों को पानी की समस्या से मुक्ति मिल गयी है.

सौराष्ट्र के सबसे बड़े शेत्रुंजी बांध के निर्माण के 59 साल पूरे हो गए हैं। 59 वर्षों में पहली बार शेत्रुंजी जलाशय पिछले पांच मानसूनों में ओवरफ्लो हो गया है। 2020 से पांच वर्षों तक बांध के ओवरफ्लो स्तर से अधिक होने की परंपरा कायम है। इस साल बांध लगातार 12 दिनों तक ओवरफ्लो रहा है क्योंकि पानी धीरे-धीरे बहना शुरू हो गया है। पलिताना में शेत्रुंजी बांध न केवल पीने का पानी बल्कि कृषि के लिए सिंचाई का पानी भी उपलब्ध कराता है। शेत्रुंजी के सिंचाई जल से आज हजारों किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। शेत्रुंजी बांध के अंतर्गत पांच तालुकाओं के 122 गांव आते हैं। जिसमें सबसे ज्यादा तलाजा के 78, पालीताना, महुवा और भावनगर के 13-13 और घोघा तालुका के पांच गांवों को शेत्रुंजी से आने वाले सिंचाई पानी का लाभ मिलता है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95